PROGRAMME PROJECT REPORT

(PPR)

MASTER OF ARTS in Hindi

(MA Hindi)

MATS Centre for Distance and Online Education (MCDOE) MATS University, Raipur, Chhattisgarh

MATS UNIVERSITY: VISION

To become a world-class Centre in providing globally relevant education. MATS will be the Global University, known for the quality academic programmes and outstanding faculty, products and services to students and clients independent of place and time constraints. MATS University will be a benchmark institution for lifelong partnership with students, the workforce and public and private enterprises. Building on its proud tradition, MATS university will extend educational opportunities to those who will make our state (Chhattisgarh), our nation and global society a better place to live and work.

MATS UNIVERSITY: MISSION

To foster an intellectual and ethical environment in which the spirit and skills within MATS will thrive so as to impart high quality education, training, research and consultancy services with a global outlook and human values. To create and develop technocrats, entrepreneurs and business leaders who will strive to & improve the quality of human life. To create truly world class schools of Management Sciences, Engineering Sciences, Information Technology, Life Science, Basic and Applied Sciences, Humanities & Social Sciences and Life Skills.

A. पाठ्यक्रम का मिशन और उद्देश्य :

मिशनः

मैट्स विश्वविद्यालय का मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह नियमित पाठ्यक्रम की शैक्षणिक प्रतिबद्धता को पूर्ण करता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा, साहित्य और संदर्भित क्षेत्रों में ज्ञान को बढ़ाना है, साथ ही छात्रों को हिन्दी भाषा की साहित्यिक विशेषताओं से परिचित करा उसके अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना है। यह पाठ्यक्रम उन सभी अभ्यर्थियों के लिए सुलभ है जो नियमित कक्षाओं में भाग नहीं ले सकते।

उद्देश्यः

पाठ्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा का विस्तार करना है।

मुख्य उद्देश्यः

1. साहित्यिक रूपों, आंदोलनों और समकालीन ग्रंथों के संबंध में आवश्यक ज्ञान प्रदान करना।
2. एक अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना।
3. छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के विकास में सहायता करना।
4. छात्रों को यह समझने की क्षमता प्रदान करना कि साहित्य मानव सभ्यता के सभी पहलुओं को कैसे प्रदर्शित करता है।
5. विभिन्न साहित्यिक अवधारणाओं और आंदोलनों को समझने की क्षमता विकसित करना।
6. साहित्यिक ग्रंथों का समीक्षात्मक और विश्लेषणात्मक अध्ययन कौशल का विकास करना।
7. विभिन्न साहित्यिक विधाओं का परिचय प्राप्त करना तथा लेखन कौशल क्षमता का विकास करना।

B. विश्वविद्यालय के मिशन और लक्ष्यों के साथ पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता :

मैट्स विश्वविद्यालय उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जो वाणिज्य, प्रबंधन, विज्ञान और कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में बौद्धिक विकास, व्यक्तिगत विकास और नैतिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देती है। उन लोगों को शैक्षिक अवसर प्रदान करना जो अपनी उच्च शिक्षा जारी रखना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम उन उम्मीदवारों की मदद करेगा जो सेवा में होने के कारण नियमित पाठ्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं और अपने कॅरियर के अवसरों को बेहतर बनाना चाहते हैं।

C. शिक्षार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह की प्रकृति :

यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो पारंपरिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से अपने शैक्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। जो शिक्षार्थी कामकाजी पेशेवर, गृहिणियाँ हैं, दुर्गम आदिवासी या ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और विभिन्न कारणों से नियमित पाठ्यक्रम में शामिल नहीं हो पाते, वे हमारे लक्षित शिक्षार्थी समूह हैं। नए और सेवारत उम्मीदवार इस पाठ्यक्रम के लक्षित समूह हैं। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से हिन्दी स्नातकोत्तर कार्यक्रम, आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित लोगों, जिनमें विभिन्न विषयों के स्नातक, बेरोजगार युवा, विषय में पर्याप्त ज्ञान की कमी के कारण कम वेतन पर कार्यरत हैं, को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके अलावा, शिक्षार्थियों के लक्षित समूह में विभिन्न स्तर के कर्मचारी, माध्यमिक स्तर के स्कूल शिक्षक, शोध के इच्छुक, परिवार की देखभाल करने वाली महिलाएँ शामिल हैं। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश खुले हैं और किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से किसी भी विषय/ संकाय में स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निम्नलिखित परीक्षा में योग्यता (आवेदकों द्वारा प्राप्त अंकों) के आधार पर दिया जाता है।

D. विशिष्ट कौशल और दक्षता प्राप्त करने के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में आयोजित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की उपयुक्तता :

मैट्स विश्वविद्यालय मुक्त और दूरस्थ शिक्षा शिक्षार्थी पर अधिक जोर देती है, जहाँ अधिकांश निर्देश दूरस्थ शिक्षा मोड के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं, जिसमें दूरवर्ती साधनों द्वारा छात्रों को अपनी गति से सीखने की सुविधा होगी। वे पाठ्यक्रम सामग्री और संसाधनों तक ऑनलाइन पहुँच सकते हैं और अपनी सुविधानुसार पाठ्यक्रम में प्रगति कर सकते हैं। यह छात्रों को कहीं से भी कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति देता है, भौगोलिक बाधाओं को दूर करता है और छात्रों को विशिष्ट कौशल और दक्षताओं को सीखने और प्राप्त करने के अधिक अवसर प्रदान करता है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड छात्रों को एक प्रौद्योगिकी–संचालित वातावरण में सीखने का अवसर प्रदान करेगा जहाँ वे ऑनलाइन

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

संसाधनों और शिक्षण सामग्री तक पहुँच सकते हैं, आभासी कक्षाओं में भाग ले सकते हैं, ऑनलाइन चर्चाओं में भाग ले सकते हैं, और विभिन्न सहयोगी उपकरणों के माध्यम से अन्य छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ जुड़ सकते हैं। यह एक अत्यधिक इमर्सिव और इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभव प्रदान करता है, जिससे छात्रों को आलोचनात्मक सोच, विश्लेषणात्मक और समस्या–समाधान कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड भारत के दूरस्थ स्थानों में अधिक प्रभावी शिक्षकों और शोधकर्ताओं को तैयार करेगा। यह सेवारत अभ्यर्थियों की आवश्यकताओं को पूर्ण करेगा। मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिन्दी) दूरस्थ शिक्षा माध्यम से हिन्दी भाषा एवं साहित्य का गहन अध्ययन द्वारा विशिष्ट भाषिक कौशल विकसित किया जाएगा।

E. **निर्देशात्मक डिजाइन :**

विषय–विशिष्ट कौशल ज्ञान प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है।

दूरस्थ शिक्षा माध्यम से कला स्नातकोत्तर (हिन्दी) हिन्दी अभ्यासक्रम भारत के दूरस्थ स्थानों के लिए है जो सेवारत उम्मीदवारों की आवश्यकताओं को पूर्ण करेगा।

E. निर्देशात्मक डिज़ाइनः

पाठ्यक्रम डिज़ाइन, विस्तृत पाठ्यक्रम और अवधिः

मैट्स सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन द्वारा प्रस्तुत मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिन्दी) पाठ्यक्रम दो वर्षों की अवधि के लिए है, जिसे चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। यह पाठ्यक्रम कला एवं मानविकी अध्ययनशाला के अंतर्गत संचालित किया जाता है।

क्रेडिट पॉइंट

कला एवं मानविकी अध्ययनशाला द्वारा प्रस्तुत इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत सभी पाठ्यक्रमों का एक निश्चित मूल्य क्रेडिट पॉइंट के रूप में होता है। एक क्रेडिट पॉइंट किसी पाठ्यक्रम की एक निश्चित इकाई का अध्ययन करने के लिए आवश्यक सीखने के घंटों को दर्शाता है। एक क्रेडिट पॉइंट 30 सीखने के घंटों के बराबर होता है और इन सीखने के घंटों में स्व–शिक्षण, संपर्क कक्षाएं, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के लिए पाठ्यक्रम के अंतर्गत आने वाली सभी गतिविधियाँ शामिल हैं।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के कुल क्रेडिट 80 हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जो दो वर्षों का है, को छह महीने की अवधि के 4 (चार) सेमेस्टर में विभाजित किया जाएगा।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

Semester wise distribution of credits for MA Hindi

S.No.	Semesters	Number of Credits
1	Semester-I	20
2	Semester-II	20
3	Semester-III	20
4	Semester-IV	20
	Total Credits	80

The Teaching & Examination Scheme:

Name of the Program	Semester	Subject Name		Subject Code (Regular)	Credit	Internal	External	Total No. Credit
MA Hindi	I	हिन्दी साहित्य का इतिहास Hindi Sahitya ka Itihas	CORE	MAHDSC101	4	30	70	20
		भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha		MAHDSC102	4	30	70	
		छायावादी काव्य Chhayavadi Kavya / छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास Chhattisgarhi Sahitya ka Itihas		MAHDSC103	4	30	70	
		जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता. jansanchaar evam hindi patrakarita/ समाचार संकलन लेखन एवं तकनीक samachar sankalan Lekhan evam Taknik		MAHDSE104	4	30	70	
		शोध प्रविधि Research Methodology		MAHRW105	4	30	70	
MA Hindi	II	निबंध और नाटक Nibandh aur Natak	CORE	MAHDSC201	4	30	70	20
		आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य Adhunik Hindi katha Sahitya		MAHDSC202	4	30	70	
		छायावादोत्तर काव्य Chhayawadottar Kavya/ छत्तीसगढ़ी काव्य Chhayawadottar Kavya		MAHDSC203	4	30	70	
		संचार एवं इलेक्ट्रानिक प्रौद्योगिकी Sanchar evam Electronic Proudogiki/ मीडिया में लेखन शिल्प एवं		MAHDSE204	4	30	70	

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

		प्रस्तुति Media me Lekhan Shilp evam Prastuti शोध एवं प्रकाशन नैतिकता Shodh evam Prakashan Natikta		MAHRW205	4	30	70	
MA Hindi	III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना Pashchaty Kavyashastr ke Siddhant evam Aalochana		MAHDSC301	4	30	70	
		भारतीय साहित्य Bhartiya Sahitya		MAHDSC302	4	30	70	
		स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य Swatantayottar Hindi Sahitya/ प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी Prayojanmulak Chhattisgarhi	CORE	MAHDSC303	4	30	70	20
		सोशल मीडिया Social Media / संपादन कला Sampadan Kala		MAHDSE304	4	30	70	
		लघु शोध प्रबंध लेखन Laghu Shodh Prabandh Lekhan		MAHRW305	4	30	70	
MA Hindi	IV	उपन्यास एवं कहानी Upanyas evam Kahani		MAHDSC401	4	30	70	
		हिन्दी समीक्षा Hindi Samiksha		MAHDSC402	4	30	70	
		भारतीय लोक साहित्य Bhartiya Lok Sahitya		MAHDSC403	4	30	70	
		मीडिया की आधुनिक प्रवृत्ति Media ki adhunik Pravitti/ प्रचार, विज्ञापन एवं जनसंचार-परियोजना कार्य Prachar, Vigyapan evam Janshanchar - Pariyojna	CORE	MAHDSE404	4	30	70	20
		लघु शोध प्रबंध, प्रस्तुति/इंटर्नशिप Laghu Shodh Prabandh, Prastuti/Internship		MAHRW405	4	30	70	
					4	**30**	**70**	**80**

Detailed Syllabus:

प्रथम सेमेस्टर

1 प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

(Hindi Sahitya ka Itihas)

उद्देश्य – विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत अध्ययन कराना।

पाठ्यांश

माड्यूल – 1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास

इकाई – 1.1 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परम्परा : परिचय ,

इकाई – 1.2 काल विभाजन,

इकाई – 1.3 आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ–सिद्ध और नाथ साहित्य, जैन साहित्य,

इकाई – 1.4 प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रमाणिकता ।

माड्यूल – 2 आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई – 2.1 अमीर खुसरों की हिन्दी कविता,

इकाई – 2.2 विद्यापति और उनकी पदावली,

मार्डयूल– 2.4 भक्ति आंदोलन का परिचय

इकाई – 2.5 भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ ।

इकाई – 2.6 भक्ति आंदोलन की उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण,

इकाई – 2.7 प्रमुख भक्ति धाराएं

इकाई– 2.8 निर्गुण ओर सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ और उनकी शाखाएँ

माड्यूल – 3 भारत में सूफी मत का उदय

इकाई – 3.1 भारत में सूफी मत का उदय और विकास,

इकाई – 3.2 सूफी मत के सामान्य सिद्धांत,

इकाई – 3.3 हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ,

इकाई – 3.4 सूफी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएँ ।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

माड्यूल – 4 दरबारी संस्कृति और रीतिकाल,

इकाई – 4.1 रीतिकाल के मूल स्रोत,

इकाई – 4.2 प्रमुख रीति कवि व रीतिकालीन काव्यधाराएँ,

इकाई – 4.3 रीति काव्य की सामान्य विशेषताएँ।

परिणाम–

हिन्दी साहित्य के पठन--पाठन और लेखन कला की उत्कृष्टता में वृद्धि होगी एवं विद्यार्थियों की तुलनात्मक अध्ययन क्षमता का विकास होगा।

अनुसंशित ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल,नागरी प्रचारिणी सभा,

2 हिन्दी साहित्य की भूमिका–हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

3 हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास–हजारी प्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन।

4 हिन्दी साहित्य का आदिकाल-- हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना।

5 हिन्दी साहित्य का अतीत–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,वाणी प्रकाशन।

6 हिन्दी साहित्य का इतिहास–संपा,डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस दिल्ली।

7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन।

8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,

9 साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा–बिहार राष्ट्र भाषा परिषद ,पटना।

10 हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ –अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी,इलाहाबाद।

11 साहित्य और इतिहास दृष्टि–मैनेजर पाण्डेय, पिपुल्स लिट्रेसी, दिल्ली।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

2. द्वितीय प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

(Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha)

उद्देश्य – विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा के स्वरूप व प्रकृति से परिचित कराना।

माड्यूल – 1 भाषा : का परिचय

इकाई – 1.1 भाषा की परिभाषा,

इकाई – 1.2 तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएँ।

इकाई – 1.3 भाषा परिवर्तन के कारण व दिशाएँ।

इकाई – 1.4 भाषा विज्ञान –परिभाषा एवं स्वरूप,

इकाई – 1.5 अंग, पमुख अध्ययन–पद्धतियाँ।

माड्यूल – 2 रूपिम विज्ञान–शब्द का परिचय

इकाई – 2.1 रूपिम विज्ञान–शब्द और रूप (पद) संबंध तत्व

इकाई – 2.2 अर्थतत्व, रूप, संरूप,

इकाई – 2.3 रूपिम और स्वनिम, रूपिमों का स्वरूप और वर्गीकरण।

माड्यूल – 3 वाक्य विज्ञान –वाक्य का परिचय

इकाई – 3.1 वाक्य विज्ञान –वाक्य की परिभाषा,

इकाई – 3.2 संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार,

इकाई – 3.3 वाक्य रचना में परिवर्तन–कारण व दिशाएँ।

माड्यूल – 4 अर्थ विज्ञान–शब्दार्थ का परिचय

इकाई – 4.1 अर्थ विज्ञान–शब्दार्थ का संबंध विवेचन,

इकाई – 4.2 अर्थ परिवर्तन के कारण व दिशाएँ

माड्यूल – 5 भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ

इकाई – 5.1 समाज भाषा विज्ञान का परिचय

इकाई – 5.2 शैली विज्ञान और कोश विज्ञान का सामान्य परिचय,

इकाई – 5.3 संपर्क भाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी,

इकाई – 5.4 नागरी लिपि का मानकीकरण,

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

इकाई – 5.5 देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।

परिणाम–

विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा एवं भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन करने की क्षमता का विकास होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1 भाषा विज्ञान की भूमिका–देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन।

2 भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल इलाहाबाद

3 सामान्य भाषा विज्ञान –बाबूराम सक्सेना हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।

4 हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास–उदय नारायण तिवारी,भारती भंडार।

5 भाषा और समाज–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन।

6 राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान–देवेन्द्र नाथ शर्मा लोकभारती।

7 भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन।

8 राजभाषा हिन्दी – प्रचलन और प्रसार–डॉ.रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन।

9 नागरी लिपि और हिन्दी –अनंत चौधरी दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

3. तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक 1)

छायावादी काव्य (Chhayavadi Kavya)

उद्देश्य – युगानुसार विद्यार्थियों को काव्यगगत विशेषताओं का अध्ययन करवाना।

माड्यूल – 1 भूमिका एवं पृष्ठभूमि

इकाई – 1.1 हिंदी काव्यधारा में छायावाद का उदय : ऐतिहासिक एवं सामाजिक संदर्भ

इकाई – 1.2 छायावाद की परिभाषा, प्रमुख लक्षण एवं विशेषताएँ

इकाई – 1.3 छायावाद और हिंदी नवजागरण

इकाई – 1.4 छायावाद की सीमाएँ एवं योगदान

माड्यूल – 2 प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

इकाई – 2.1 (क) जयशंकर प्रसाद : आँसू, कामायनी (चयनित सर्ग)

आंसू (काव्य)– चयनित सर्ग / अंश

प्रथम सर्ग : मानव जीवन का संघर्ष और पीड़ा
द्वितीय सर्ग : करुणा और मानवीय संवेदना
तृतीय सर्ग : आशा और जीवन की शक्ति
चतुर्थ सर्ग : सांत्वना एवं आध्यात्मिक दृष्टि

कामायनी (चिन्ता एवं श्रद्धा सर्ग)
रहस्यवाद एवं प्रतीकवाद

इकाई – 2.2 (ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : परिमल, अनामिका (चयनित कविताएँ)

व्यक्तिवाद, मुक्तछंद एवं नवीन प्रयोग, प्रकृति, सौंदर्य एवं मानवता दृष्टि

वह तोड़ती पत्थर, बेला, तोड़ती बांसुरी, सरोज स्मृति (काव्यांश), राम की शक्ति पूजा (कुछ खंड), भिक्षुक, आदि विद्रोही, जूही की कली, जागो फिर एक बार, गीतिका–खंड से कुछ रचनाएँ

इकाई – 2.3 (ग) सुमित्रानंदन पंत : पल्लव, गुंजन (चयनित कविताएँ)

1. पल्लव (काव्य संग्रह)

वीणा, गगन मण्डल मृदुल गगन में, वसंत, पल्लव, पावस,पर्वत प्रदेश में पावस, नवीन वृक्ष की कोंपल

2. गुंजन (काव्य संग्रह) : गुंजन, संध्या, नभ की वीणा, गीत नवजीवन के, ज्योति, शांत स्वप्न

इकाई – 2.4 (घ) महादेवी वर्मा : नीरजा, दीपशिखा, (चयनित कविताएँ) विरह, करुणा एवं आध्यात्मिक चेतना

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

1. **नीरजा (काव्य संग्रह) –** नीरजा, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुख की बदली, विपथगा ,पंथ समाप्त हुआ, पथ के साथी

दीपशिखा (काव्य संग्रह)

दीपशिखा ,पथिक, जाग तुझको दूर जाना, जाग री कंचन काया, मृदुल ,मधुर मेरे दीपक जल, मुझे दे दो वह करुणा नयन

माड्यूल – 3 छायावाद की विचारधारा

इकाई – 3.1 छायावाद और रहस्यवाद

इकाई – 3.2 छायावाद और रोमांटिकतावाद, छायावाद और स्त्री चेतना (महादेवी वर्मा के संदर्भ में)

इकाई – 3.3 छायावाद और व्यक्तिवाद

इकाई – 3.4 छायावाद का राष्ट्रीय एवं सामाजिक स्वर

माड्यूल – 4 आलोचना एवं विश्लेषण

इकाई – 4.1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं छायावाद

इकाई – 4.2 नामवर सिंह, नंददुलारे बाजपेयी एवं अन्य आलोचकों के मत

इकाई – 4.3 छायावादोत्तर काव्य परंपरा पर प्रभाव

परिणाम–

विद्यार्थियों का रचनात्मक दृष्टिकोण निखरेगा एवं छायावादी युग के स्तंभ माने जाने वाले प्रसिद्ध कवियो की रचनाओं से विद्यार्थियों की संवेगात्मक चेतना काव्य लेखन कला के प्रति प्रेरित होगी।

अनुशंसित ग्रंथ

1 महादेवी ग्रंथावली–महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन

2 जयशंकर प्रसाद–नंददुलारे वाजपेयी,भारती भंडार।

3 कामायनी–एक पुनर्विचार–मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन।

4 निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन।

5 सुमित्रा नंदन पंत– डॉ. नगेन्द्र

6 छायावादः नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7 महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली,

8 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली।

9 छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन।

10 हिन्दी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– नामवर सिंह।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक 2)

छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
(Chhattisgarhi Sahitya ka itihas)

उद्देश्य–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को छत्तीसगढी भाषा और साहित्य के उद्गम, विकास, प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना और उनमें साहित्यिक, सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना की समझ विकसित करना है।

माड्यूल – 1 छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य का उद्गम और विकास

इकाई – 1.1 छत्तीसगढ़ी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास

इकाई – 1.2 छत्तीसगढ़ी बोली एवं उपबोलियाँ

इकाई – 1.3 छत्तीसगढ़ी साहित्य की विशेषताएँ

इकाई – 1.4 लोकसाहित्य की परंपरा : लोकगीत, लोककथा, लोकनाटक

माड्यूल – 2 प्रारंभिक छत्तीसगढ़ी साहित्य

इकाई – 2.1 पंथी, राऊत नाचा एवं ददरिया का साहित्यिक महत्व

इकाई – 2.2 लोककाव्य एवं लोकनाट्य परंपरा

इकाई – 2.3 संत साहित्य पर छत्तीसगढ़ का प्रभाव

इकाई – 2.4 प्रमुख संत कवि : संत घासीदास, संत दादू, गुरु बालकदास आदि

माड्यूल – 3 आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य का विकास

इकाई – 3.1 छत्तीसगढ़ी कविता का विकास : 20वीं शताब्दी से वर्तमान तक

इकाई – 3.2 छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य की शुरुआत एवं विकास

इकाई – 3.3 निबंध, कहानी एवं उपन्यास साहित्य में प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3.4 छत्तीसगढ़ी नाट्य साहित्य और रंगमंच

माड्यूल – 4 प्रमुख साहित्यकार एवं कृतियाँ

इकाई – 4.1 हरिहर वैष्णव

MATS UNIVERSITY RAIPUR

इकाई – 4.2 डॉ. नंदकिशोर तिवारी

इकाई – 4.3 सुकलप्रसाद श्रीवास्तव

इकाई – 4.4 डॉ. बालदेव प्रसाद मिश्र

इकाई – 4.5 परलोकनाथ पाण्डेय

इकाई – 4.6 अन्य समकालीन साहित्यकारों का योगदान

माड्यूल – 5 साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं आलोचना

इकाई – 5.1 छत्तीसगढ़ी साहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना

इकाई – 5.2 छत्तीसगढ़ी साहित्य में स्त्री विमर्श एवं दलित विमर्श

इकाई – 5.3 छत्तीसगढ़ी साहित्य में आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता की प्रवृत्तियाँ

इकाई – 5.4 छत्तीसगढ़ी साहित्यालोचना की परंपरा

परिणाम–

इस पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य के उद्गम, विकास, प्रमुख साहित्यकारों, लोक परंपराओं एवं आधुनिक प्रवृत्तियों का अध्ययन किया जाता है। इससे विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ी साहित्य की सामाजिक, सांस्कृतिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होती है।

अनुशंसित ग्रंथ

1. हरिहर वैष्णव : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
2. डॉ. नंदकिशोर तिवारी : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य
3. परलोकनाथ पाण्डेय : छत्तीसगढ़ी साहित्य की धरोहर
4. सुकलप्रसाद श्रीवास्तव : छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य
5. डॉ. बालदेव प्रसाद मिश्र : छत्तीसगढ़ी लोककला और साहित्य

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

4. चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 1)

जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता

(Jansanchar evam Hindi Patrakarita)

उद्देश्य –

जनसंचार माध्यमों एवं हिन्दी पत्रकारिता का विस्तार से अध्ययन कराना जिससे विद्यार्थियों को जनसंचार एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर निर्माण के प्रति प्रेरित किया जा सके।

पाठ्यांश

माड्यूल – 1 जनसंचार का सिद्धांत और स्वरूप

इकाई – 1.1 संचार की परिभाषा, प्रक्रिया और प्रकार

इकाई – 1.2 संचार के मॉडल (लैसवेल, शैनन–वीवर, बर्लो आदि)

इकाई – 1.3 जनसंचार : अर्थ, स्वरूप और महत्व

इकाई – 1.4 जनसंचार माध्यम : पत्र–पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट

इकाई – 1.5 संचार और समाज : सांस्कृतिक, राजनीतिक, शैक्षिक भूमिका

इकाई – 1.6 सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण

माड्यूल – 2 हिंदी पत्रकारिता का इतिहास और विकास

इकाई –2.1 हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और प्रारंभिक काल

इकाई –2.2 पत्रकारिता के अग्रदूत : राजा राममोहन राय, भारतेंदु हरिश्चंद्र, बाल गंगाधर तिलक

इकाई – 2.3 स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता

इकाई – 2.4 स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता का विकास

इकाई – 2.5 क्षेत्रीय पत्रकारिता

इकाई – 2.6 हिंदी पत्रकारिता में नई प्रवृत्तियाँ

माड्यूल – 3 आधुनिक पत्रकारिता : स्वरूप और कार्यप्रणाली

इकाई – 3.1 समाचार : परिभाषा, गुण, तत्व और मूल्य

इकाई – 3.2 समाचार संकलन की विधियाँ

इकाई – 3.3 रिपोर्टिंग : प्रकार और तकनीक

इकाई – 3.4 संपादन कला : शीर्षक लेखन, प्रूफरीडिंग, ले–आउट

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

इकाई – 3.5 संपादकीय लेखन और फीचर लेखन

इकाई – 3.6 खोजी पत्रकारिता, जनपक्षधर पत्रकारिता

माड्यूल – 4 जनसंचार माध्यम और तकनीकी पहलू

इकाई – 4.1 रेडियो पत्रकारिता : समाचार बुलेटिन, रेडियो फीचर

इकाई – 4.2 दूरदर्शन पत्रकारिता : न्यूज रीडिंग, एंकरिंग, डॉक्यूमेंट्री

इकाई – 4.3 फिल्म और पत्रकारिता

इकाई – 4.4 ऑनलाइन पत्रकारिता (ई–पत्रकारिता, वेब जर्नलिज़्म, ब्लॉगिंग)

इकाई – 4.5 सोशल मीडिया पत्रकारिता और इसकी चुनौतियाँ

इकाई – 4.6 मोबाइल पत्रकारिता (MoJo)

माड्यूल – 5 पत्रकारिता की नीतियाँ, आचार संहिता एवं कानून

इकाई – 5.1 प्रेस कानून : प्रेस एंड बुक रजिस्ट्रेशन एक्ट, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया

इकाई – 5.2 प्रेस की स्वतंत्रता और दायित्व

इकाई – 5.3 मीडिया नैतिकता और आचार संहिता

इकाई – 5.4 पत्रकारिता और गोपनीयता का अधिकार

इकाई – 5.5 विज्ञापन और मीडिया

इकाई – 5.6 पीआर (Public Relations) और जनसंपर्क

परिणाम –

जनसंचार एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की विस्तृत संभावनाएँ हैं। इस विषय का सूक्ष्म अध्ययन विद्यार्थियों के कौशल विकास में सहायक बनेगा एवं उनके कैरियर का निर्माण होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1 सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3 भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली

4 हिन्दी पत्रकारिता, स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5 हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

चतुर्थ प्रश्न पत्र–(वैकल्पिक 2)

समाचार संकलन, लेखन एवं तकनीक

(Samachar Sankalan lekhan evam Taknik)

उद्देश्य –

विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में पारंगत करने हेतु समाचार संकलन, लेखन एवं तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान करना।

माड्यूल – 1 समाचार का स्वरूप

इकाई – 1.1 समाचार : परिभाषा, तत्व एवं मूल्य

इकाई – 1.2 समाचार के प्रकार (राजनीतिक, आर्थिक, खेल, अपराध, मानव–रुचि आदि)

इकाई – 1.3 समाचार स्रोत : संवाददाता, समाचार एजेंसियाँ, जनसंपर्क विभाग, सोशल मीडिया

इकाई – 1.4 समाचार का जीवन चक्र : संकलन, चयन, संपादन, प्रकाशन

माड्यूल – 2 समाचार संकलन की विधियाँ

इकाई – 2.1 समाचार संकलन की तकनीकें : साक्षात्कार, सर्वेक्षण, प्रेस–नोट, प्रेस–कॉन्फ्रेंस

इकाई – 2.2 फील्ड रिपोर्टिंग : घटनास्थल रिपोर्टिंग, कोर्ट/विधानसभा/संसद रिपोर्टिंग

इकाई – 2.3 खोजी पत्रकारिता (Investigative Journalism)

इकाई – 2.4 डिजिटल स्रोतों से समाचार संकलन : ऑनलाइन टूल्स, डेटा जर्नलिज़्म

इकाई – 2.5 समाचार संकलन में पत्रकार की भूमिका और दायित्व

माड्यूल – 3 समाचार लेखन कला

इकाई – 3.1 समाचार लेखन की शैली : उल्टा पिरामिड (Inverted Pyramid), क्रोनोलॉजिकल, नैरेटिव

इकाई – 3.2 समाचार लेखन की भाषा और विशेषताएँ

इकाई – 3.3 शीर्षक लेखन : प्रकार, तकनीक और प्रयोग

इकाई – 3.4 समाचार के विभिन्न रूप : लीड, फीचर, संपादकीय, कॉलम

इकाई – 3.5 रिपोर्टिंग एवं लेखन में वस्तुनिष्ठता और संतुलन

माड्यूल – 4 समाचार संपादन और तकनीक

इकाई – 4.1 समाचार संपादन : परिभाषा, उद्देश्य और प्रक्रिया

इकाई – 4.2 प्रूफरीडिंग चिह्न और त्रुटि संशोधन

इकाई – 4.3 समाचार पत्र का ले–आउट और पेज मेकिंग

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 4.4 डेस्क जर्नलिज़्म और तकनीकी उपकरण

इकाई – 4.5 फोटो संपादन और इन्फोग्राफिक्स

माड्यूल – 5 इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल समाचार लेखन

इकाई – 5.1 रेडियो समाचार लेखन और प्रस्तुति

इकाई – 5.2 टीवी न्यूज़ : स्क्रिप्ट, विज़ुअल, पैकेजिंग

इकाई – 5.3 ऑनलाइन पत्रकारिता : वेब स्टोरी, ब्लॉग, पोर्टल न्यूज़

इकाई – 5.4 मोबाइल पत्रकारिता (MoJo)

इकाई – 5.5 सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर समाचार प्रस्तुति

इकाई – 5.6 तकनीक, चुनौतियाँ और संभावनाएँ

माड्यूल – 6 नैतिकता, कानून और चुनौतियाँ

इकाई – 6.1 समाचार संकलन और लेखन में नैतिकता

इकाई – 6.2 प्रेस कानून और प्रेस काउंसिल

इकाई – 6.3 फेक न्यूज़ और तथ्य–जांच (Fact-checking)

इकाई – 6.4 विज्ञापन और समाचार के बीच संतुलन

इकाई – 6.5 पत्रकार की जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व

परिणाम–

विद्यार्थियों को समाचार लेखन की तकनीक का ज्ञान हो सकेगा एवं उन्हें मीडिया के विभिन्न माध्यमों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1 सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3 भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली

4 इलेक्ट्रानिक मीडिया, डॉ. संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

5 हिन्दी पत्रकारिता, स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6 हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

5. पंचम प्रश्न पत्र

शोध प्रविधि (Research Methodology)

उद्देश्य (Objectives of Research)

शोध का उद्देश्य यह स्पष्ट करता है कि शोधकर्ता किन प्रश्नों का उत्तर ढूँढना चाहता है और क्यों यह शोध आवश्यक है। ज्ञान का विस्तार करना। किसी समस्या का समाधान खोजना। विचारों और तथ्यों का विश्लेषण करना। नई जानकारी और निष्कर्ष प्रदान करना। मौजूदा ज्ञान की पुष्टि या पुनर्मूल्यांकन करना।

माड्यूल – 1 शोध की संकल्पना एवं स्वरूप

इकाई – 1.1 शोध : परिभाषा, स्वरूप और उद्देश्य

इकाई – 1.2 साहित्यिक शोध की आवश्यकता एवं महत्त्व

इकाई – 1.3 शोध एवं आलोचना का संबंध

इकाई – 1.4 साहित्यिक शोध की सीमाएँ और संभावनाएँ

माड्यूल – 2 शोध की प्रविधियाँ

इकाई – 2.1 परम्परागत शोध पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, वर्णनात्मक, तुलनात्मक

इकाई – 2.2 आधुनिक प्रविधियाँ : विश्लेषणात्मक, वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक

इकाई – 2.3 अंतः विषयक दृष्टिकोण और अंतःपाठीयता

इकाई – 2.4 गुणात्मक और मात्रात्मक शोध पद्धति

माड्यूल – 3 शोध की प्रक्रिया

इकाई – 3.1 शोध विषय का चयन

इकाई – 3.2 समस्या का निर्माण और परिकल्पना (Hypothesis)

इकाई – 3.3 प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत

इकाई – 3.4 तथ्य संग्रह की विधियाँ : प्रश्नावली, साक्षात्कार, सर्वेक्षण, पुस्तकालय व अभिलेखागार

माड्यूल – 4 शोध का तकनीकी पक्ष

इकाई – 4.1 संदर्भ एवं उद्धरण की पद्धति

इकाई – 4.2 ग्रंथसूची और सूचीकरण

इकाई – 4.3 शोध रिपोर्ट/प्रबंध लेखन की भाषा और शैली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

इकाई – 4.4 शोध लेखन में निष्पक्षता, मौलिकता और शुद्धता

माड्यूल – 5 साहित्यिक शोध के क्षेत्र

इकाई – 5.1 हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में शोध की संभावनाएँ

इकाई – 5.2 काव्य, कथा, नाटक, आलोचना, लोक साहित्य एवं भाषाविज्ञान में शोध

इकाई – 5.3 आधुनिक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, उपनिवेशोत्तर विमर्श,संस्कृति अध्ययन

इकाई – 5.4 डिजिटल युग और हिंदी शोध : ई–संसाधन, ई–पत्रिकाएँ, इंटरनेट आधारित शोध

इकाई – 5.5 अभ्यास / प्रायोगिक कार्य

इकाई – 5.6 शोध प्रस्ताव (Research Proposal) तैयार करना

परिणाम (Outcome /परिणाम)

शोध का परिणाम वह निष्कर्ष होता है जो शोध प्रक्रिया के अंत में प्राप्त होता है। सैद्धांतिक परिणाम : नए सिद्धांत या विचार का निर्माण। व्यावहारिक परिणाम : समस्याओं के समाधान या नीति निर्माण में योगदान। शैक्षिक परिणाम : शिक्षा, पाठ्यक्रम या साहित्यिक अध्ययन में उपयोग। भविष्य के शोध के लिए मार्गदर्शन : नए शोध के लिए प्रेरणा और दिशा।

अनुशंसित ग्रंथ

1. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी आलोचना का इतिहास
2. हरिभाऊ उपाध्याय : साहित्यिक शोध पद्धति
3. डॉ. रघुवीर सहाय : हिंदी शोध प्रविधि
4. गौरव राय : साहित्यिक अनुसंधान तकनीक
5. कृष्ण कुमार शुक्ल : साहित्यिक आलोचना और शोध
6. एच.आर. कुमार : Research Methodology in Hindi
7. MLA, APA, Chicago Style Manuals – उद्धरण एवं ग्रंथसूची के लिए
8. **डिजिटल संसाधन:**

- ई–पत्रिकाएँ (JSTOR, Shodhganga, Research Gate)
- ऑनलाइन पुस्तकालय और अभिलेखागार

MATS UNIVERSITY

द्वितीय सेमेस्टर

1. प्रथम प्रश्न–पत्र

निबंध और नाटक (Nibandh aur Natak)

उद्देश्य–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी निबंध और नाटक की परंपरा, विकास, प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना तथा साहित्यिक अभिव्यक्ति, विश्लेषण और आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना है।

माड्यूल – 1 निबंध (Essay)

इकाई – 1.1 निबंध का स्वरूप और विकास

इकाई – 1.2 निबंध की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ

इकाई – 1.3 हिंदी निबंध का उद्भव और विकास

इकाई– 1.4 हिंदी निबंध की प्रमुख धाराएँ : विचारात्मक, आलोचनात्मक, व्यंग्यात्मक, व्यक्तित्वात्मक, संस्मरणात्मक

माड्यूल – 2 प्रमुख निबंधकार एवं उनकी कृतियाँ

इकाई – 2.1 रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (चयनित निबंध) ,कविता क्या है, भारतीय संस्कृति और साहित्य

इकाई – 2.2 हज़ारीप्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल, कुटज

इकाई – 2.3 रामविलास शर्मा : भारतेंदु युग, तुलसीदास और भारतीय संस्कृति

इकाई – 2.4 हरिशंकर परसाई : सदाचार का ताबीज, वैष्णव की फिसलन, भोलाराम का जीव

माड्यूल – 3 नाटक (Drama)

इकाई – 3.1 नाटक का स्वरूप और विकास

इकाई – 3.2 नाटक की परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएँ

इकाई – 3.3 संस्कृत, पाश्चात्य और हिंदी नाट्य परंपरा

इकाई – 3.4 आधुनिक हिंदी नाटक का विकास

माड्यूल – 4 प्रमुख नाटककार एवं उनकी कृतियाँ : विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई – 4.1 भारतेंदु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 4.2 जयशंकर प्रसाद : स्कंदगुप्त,

इकाई – 4.3 समकालीन हिंदी नाटक : विषयवस्तु और प्रवृत्तियाँ

माड्यूल – 5 आलोचनात्मक एवं व्यावहारिक पक्ष

इकाई – 5.1 निबंध और नाटक के प्रमुख आलोचकों के विचार

इकाई – 5.2 निबंध और नाटक में भाषा, शैली एवं शिल्प

परिणाम –

अनुभवी व प्रसिद्ध निबंधकारों एवं नाटककारों की लेखन शैली का परिचय प्राप्त कर विद्यार्थी गद्य विधाओं की तात्विक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे एवं लेखन हेतु प्रेरित होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1 रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन

2 दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 रामचंद्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव ,हरियाणा ग्रंथ अकादमी।

5 हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह ,लोकभारती प्रकाशन।

6 अंधेर नगरी'– भारतेंदु हरिशचंद

7 स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

8 हिन्दी नाटक उद्भव विकास – दशरथ ओझा राजपाल एंड संस

9 एक सत्य हरिशचंद – लक्ष्मीनारायण लाल

10 हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्वदेश्वर राय हिंदी ग्रंथ कुटीर पटना।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

2. द्वितीय प्रश्न पत्र

आधुनिक कथा साहित्य (Adhunik Hindi Katha Sahitya)

उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी, एकांकी, लघु उपन्यास आदि) की परंपरा, प्रवृत्तियों, शिल्प, विचारधारा और प्रतिनिधि रचनाकारों की गहन समझ प्रदान करना है।

माड्यूल – 1 आधुनिक कथा साहित्य की रूपरेखा

इकाई – 1.1 आधुनिक कथा साहित्य की उत्पत्ति और विकास

इकाई – 1.2 कथा साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : यथार्थवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

इकाई – 1.3 नई कहानी और नई संवेदना

इकाई – 1.4 स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, अस्मिता विमर्श

इकाई – 1.5 कथा साहित्य और समाज

इकाई – 1.6 कथा साहित्य में मनोवैज्ञानिक एवं समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

माड्यूल – 2 उपन्यास

इकाई – 2.1 आधुनिक हिंदी उपन्यास की परंपरा और प्रवृत्तियाँ

इकाई – 2.2 प्रतिनिधि उपन्यासकार – **प्रेमचंद** (गोदान / सेवासदन) ,**यशपाल** (दिव्या / झूठा सच), **रेणु** (मैला आंचल), **मन्नू भंडारी** (आपका बंटी)

माड्यूल – 3 कहानी

इकाई – 3.1 आधुनिक हिंदी कहानी का विकास और स्वरूप

इकाई – 3.2 प्रमुख कहानीकार – **प्रेमचंद** (पूस की रात, कफन), **जयशंकर प्रसाद** (आकाशदीप), **यशपाल** (पर्दे) , **अज्ञेय** (गेंडा),**मोहन राकेश** (नई कहानी) **कमलेश्वर** (राजा निरबंसिया), **राजेंद्र यादव** (जहाँ लक्ष्मी कैद है) **अमरकांत**, उदय प्रकाश, संजीव

माड्यूल – 4 एकांकी एवं लघु उपन्यास

इकाई – 4.1 हिंदी एकांकी की परंपरा : प्रसाद से लेकर लक्ष्मी नारायण लाल तक

इकाई – 4.2 प्रतिनिधि एकांकियाँ (आकाशदीप, सॉझी चूल्हा आदि)

MATS UNIVERSITY RAIPUR

इकाई – 4.3 लघु उपन्यास परंपरा और प्रवृत्तियाँ

माड्यूल – 5 आलोचना और सैद्धांतिक अध्ययन

इकाई – 5.1 कथा साहित्य पर आलोचकों के विचार – रामचंद्र शुक्ल ,नामवर सिंह,नगेंद्र, रमेशचंद्र शाह

इकाई – 5.2 आधुनिक कथा साहित्य और आलोचना प्रवृत्तियॉ

परिणाम–

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य की उत्पत्ति, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकारों और आलोचनात्मक दृष्टिकोण की गहन समझ प्राप्त होती है।

यह उन्हें उपन्यास, कहानी, एकांकी और लघु उपन्यास के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा वैचारिक आयामों को विश्लेषित करने में सक्षम बनाता है।

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिंदी उपन्यास का विकास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : अच्युतानंद मिश्र / रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी कथा साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह
4. कहानी : नई कहानी : राजेंद्र यादव
5. हिंदी उपन्यास और समाज : डॉ. रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य की धाराएँ : डॉ. नगेंद्र
7. नई कहानी की तलाश में : कमलेश्वर
8. हिंदी आलोचना के आयाम : रमेशचंद्र शाह
9. हिंदी एकांकी साहित्य : डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल
10. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नंददुलारे वाजपेयी
11. हिंदी कथा साहित्य : स्वरूप और संवेदना : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
12. हिंदी साहित्य और स्त्री विमर्श : डॉ. उर्मिला शिरीष
13. दलित साहित्य विमर्श : डॉ. तुलसीराम / डॉ. शरणकुमार लिंबाले
14. भारतीय कथा साहित्य : डॉ. अमरनाथ उपाध्याय

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

3. तृतीय प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 1)

छायावादोत्तर काव्य (Chhayawadottar Kavya)

उद्देश्य (Objectives)

विद्यार्थियों को छायावाद के बाद की काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना। आधुनिक हिंदी कविता के विविध स्वर : प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता और समकालीन कविता का बोध कराना। प्रमुख कवियों की प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संदर्भों को समझाना। भाषा, शिल्प और अभिव्यक्ति की नवीन प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।

पाठ्यांश (Modules)

मॉड्यूल – 1 गजानन माधव मुक्तिबोध

इकाई – 1.1 चाँद का मुँह टेढ़ा है : कविता अंधेरे में

इकाई – 1.2 प्रयोगवादी दृष्टि,

इकाई – 1.3 आत्मसंघर्ष, समाज–चेतना

मॉड्यूल – 2 अज्ञेय

इकाई – 2.1 आँगन के पार द्वार : कविता असाध्य वीणा

इकाई – 2.2 नई कविता की प्रतीकात्मकता,

इकाई – 2.3 रहस्यबोध और सौंदर्य चेतना

मॉड्यूल – 3 रामधारी सिंह दिनकर

इकाई – 3.1 उर्वशी : तीसरा सर्ग

इकाई – 3.2 शृंगार और वीर रस का समन्वय,

इकाई – 3.3 जीवन और प्रेम–दर्शन

मॉड्यूल – 4 धूमिल

इकाई – 4.1 संसद से सड़क तक : कविता पटकथा

इकाई – 4.2 समकालीन यथार्थ,

इकाई – 4.3 राजनीति और जनपक्षधरता

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

माड्यूल – 5 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

इकाई – 5.1 प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

इकाई – 5.2 काव्य में सामाजिक यथार्थ, राजनीति और जनसरोकार।

इकाई – 5.3 भाषा और शिल्प की नवीनता।

इकाई – 5.4 प्रतीक, बिंब और बौद्धिक चेतना।

इकाई – 5.5 कवियों की काव्य–दृष्टि और उनकी वैचारिकी।

परिणाम–

विद्यार्थियों को छायावादोत्तर युग–प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता के विषय में जानकारी प्राप्त होगी एवं उनमें तुलनात्मक अध्ययन क्षमता का विकास होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली

4 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली

5 समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

6 समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

8 साहित्य और समय – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

MATS UNIVERSITY ★

तृतीय प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 2)

छत्तीसगढ़ी काव्य (Chhattisgarhi Kavya)

उद्देश्य–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ी काव्य की उत्पत्ति, विकास, प्रमुख कवियों और उनकी काव्य परंपरा से परिचित कराना तथा काव्य की भाषा, शैली और सामाजिक सरोकारों की समझ विकसित करना है।

माड्यूल – 1 भूमिका एवं इतिहास

इकाई – 1.1 छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य का विकास

इकाई – 1.2 छत्तीसगढ़ी काव्य की उत्पत्ति और परम्परा

इकाई – 1.3 लोकपरम्परा में काव्य का स्थान

इकाई – 1.4 छत्तीसगढ़ी काव्य और भारतीय काव्यधारा

माड्यूल – 2 छत्तीसगढ़ी काव्य एक परिचय

इकाई – 2.1 आदिकालीन काव्य

इकाई – 2.2 मध्यकालिन काव्य

इकाई – 2.3 आधुनिक काव्य

माड्यूल – 3 प्रमुख कवि एवं काव्य परिचय

इकाई – 3.1 संत कवि

इकाई – 3.2 गुरु घासीदास, दाऊ दयालदास, बाबा फकीरराम

इकाई – 3.3 लोककवि – पं. सुन्दर लाल शर्मा, चंदूलाल चंद्राकर

इकाई – 3.4 आधुनिक कवि – जीवनयदु , लक्ष्मण मस्तुरिहा, पवन दीवान, लाला जगदलपुरी, दानेश्वर शर्मा, रामेश्वर वैष्णव

माड्यूल – 4 काव्य शिल्प एवं विशेषताएँ

इकाई – 4.1 छत्तीसगढ़ी काव्य की भाषा और शैली

इकाई – 4.2 छन्द, लय और अलंकार

इकाई – 4.3 छत्तीसगढ़ी कविता में प्रतीक और बिम्ब

इकाई – 4.4 छत्तीसगढ़ी काव्य और सामाजिक यथार्थ

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को छत्तीसगढ़ी काव्य की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परंपरा की गहन समझ प्राप्त होती है। यह उन्हें प्रमुख कवियों, काव्य शिल्प, भाषा, शैली और सामाजिक यथार्थ के अध्ययन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी साहित्य की समग्र दृष्टि प्रदान करता है।

अनुशंसित ग्रंथ

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास : डॉ. विनय कुमार पाठक
2. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : डॉ. रघुनाथ मिश्र
3. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य : डॉ. नंदकुमार पटेल
4. छत्तीसगढ़ी काव्य परंपरा : डॉ. सुधीर शर्मा
5. छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति : प्रो. बालकृष्ण टाकुर
6. छत्तीसगढ़ी साहित्य : स्वरूप और संवेदना : डॉ. प्रेमशंकर शुक्ल
7. लोक संस्कृति और छत्तीसगढ़ : डॉ. हरिचरण महावर
8. भारतीय काव्यशास्त्र और छत्तीसगढ़ी काव्य : डॉ. रामेश्वर वैष्णव
9. छत्तीसगढ़ी संत परंपरा : डॉ. शंकरलाल तिवारी
10. समकालीन छत्तीसगढ़ी कविता : डॉ. जगदीश शर्मा

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

4. चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 1)

संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी

(Sanchar evam Electronic Proudogiki)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को पत्रकारिता और जनसंचार में संचार के सिद्धांत और प्रक्रियाओं से अवगत कराना। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विकास, महत्व और प्रयोगों की जानकारी प्रदान करना। आकाशवाणी, दूरदर्शन, रेडियो, फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री जैसे माध्यमों की भूमिका को समझाना। इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी के प्रभाव और उपयोग से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देना।

मॉड्यूल – 1 संचार का स्वरूप

इकाई – 1.1 संचार : अर्थ, परिभाषाएँ और महत्व

इकाई – 1.2 संचार की प्रक्रिया और मॉडल (लैसवेल, शैनन–वीवर, बर्लो आदि)

इकाई – 1.3 संचार के प्रकार : व्यक्तिपरक, समूह, संगठनात्मक और जनसंचार

इकाई – 1.4 संचार सारणियाँ एवं माध्यम

मॉड्यूल – 2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

इकाई – 2.1 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की परिभाषा और स्वरूप

इकाई – 2.2 पत्रकारिता और समाज में इसकी भूमिका

इकाई – 2.3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की संभावनाएँ और चुनौतियाँ

मॉड्यूल – 3 आकाशवाणी (Radio Broadcasting)

इकाई – 3.1 आकाशवाणी का उद्भव और ऐतिहासिक विकास

इकाई – 3.2 समाचार, नाटक, वार्ता और कार्यक्रमों की शैली

इकाई – 3.3 आकाशवाणी का सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान

मॉड्यूल – 4 दूरदर्शन (Television Broadcasting)

इकाई –4.1 दूरदर्शन का उद्भव और विकास

इकाई – 4.2 समाचार और मनोरंजन कार्यक्रमों की प्रस्तुति

इकाई – 4.3 दूरदर्शन का लोकतंत्र और शिक्षा में योगदान

MATS UNIVERSITY

मॉड्यूल – 5 विविध इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

इकाई – 5.1 एफ.एम. रेडियो : उद्भव, स्वरूप और महत्व

इकाई – 5.2 सामुदायिक रेडियो : विशेषताएँ और भूमिका

इकाई – 5.3 फिल्म और डॉक्यूमेंट्री : पत्रकारिता में स्थान और उपयोग

इकाई – 5.4 नवीन तकनीक : डिजिटल मीडिया, इंटरनेट और मोबाइल पत्रकारिता का समावेश

परिणाम–

विद्यार्थियों को संचार, इलेक्ट्रानिक मीडिया के विभिन्न माध्यमों में लेखन, प्रस्तुतिकरण की कला में पारंगत किया जा सकेगा जिससे इलेक्ट्रानिक मीडिया के क्षेत्र में उन्हें कैरियर निर्माण के अवसर प्राप्त होंगे।

अनुसंशित ग्रंथ

1 सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3 भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली

4 इलेक्ट्रानिक मीडिया, डॉ, संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

5 हिन्दी पत्रकारिता, स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6 हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

7 भारतीय पत्रकारिता, मुद्दे और अपेक्षाएं : बबनप्रसाद मिश्र, श्री प्रकाशन, छत्तीसगढ़

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 2)

मीडिया में लेखन शिल्प एवं प्रस्तुति

(Media me Lekhan Shilp evam Prastuti)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में लेखन एवं प्रस्तुति की कला में दक्ष बनाना। रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता की व्यावहारिक जानकारी देना। समाचार लेखन, वाचन, एंकरिंग एवं प्रस्तुति कौशल का अभ्यास कराना। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हाउस/न्यूज रूम से छात्रों को practically अवगत कराना।

मॉड्यूल – 1 रेडियो पत्रकारिता

इकाई – 1.1 रेडियो में लेखन : प्रमुख सिद्धांत

इकाई – 1.2 रेडियो समाचार की संरचना एवं प्रस्तुति

इकाई – 1.3 रेडियो फीचर, वार्ता, नाटक, जिंगल्स

मॉड्यूल – 2 रेडियो की भाषा और प्रस्तुति

इकाई – 2.1 रेडियो भाषा की विशेषताएँ

इकाई – 2.2 रेडियो वाचन के सिद्धांत

इकाई – 2.3 एंकरिंग और संवाद शैली

इकाई – 2.4 समाचार कार्यक्रम रू संरचना और प्रस्तुति कला

मॉड्यूल – 3 आकाशवाणी कार्यक्रम

इकाई – 3.1 आकाशवाणी के प्रमुख कार्यक्रमों का स्वरूप और सरंचना

इकाई – 3.2 शैक्षिक, सांस्कृतिक और मनोरंजनात्मक कार्यक्रम

इकाई – 3.3 रेडियो श्रोताओं की भूमिका और जनसंपर्क

मॉड्यूल – 4 टेलीविजन पत्रकारिता

इकाई – 4.1 टेलीविजन के लिए लेखन : स्क्रिप्ट, न्यूज़ पैकेज

इकाई – 4.2 न्यूज एंकरिंग और प्रस्तुति कला

इकाई – 4.3 टीवी रिपोर्टिंग : विजुअल्स, वॉयस–ओवर और लाइव कवरेज

इकाई – 4.4 टीवी समाचार का प्रभाव और दर्शक–मानस

मॉड्यूल – 5 व्यावहारिक पक्ष

इकाई – 5.1 टीवी न्यूज़ रूम का स्वरूप और कार्यप्रणाली

इकाई – 5.2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हाउस भ्रमण

इकाई – 5.3 समाचार बुलेटिन, एंकरिंग, स्क्रिप्ट लेखन

इकाई – 5.4 रेडियो और टीवी के लिए लेखन शैली में अंतर

इकाई – 5.5 भाषा, ध्वनि, दृश्य और प्रस्तुति का महत्व

इकाई – 5.6 एंकरिंग और वाचन की कला

इकाई – 5.7 समाचार संरचना और प्रस्तुति तकनीक

इकाई – 5.8 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण

परिणाम–

विद्यार्थियों को जनसंचार के विभिन्न माध्यमों रेडियो, टेलीविजन आदि में लेखन की तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा जिससे वे इस क्षेत्र में कैरियर का निर्माण कर सकेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1 सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3 भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली

4 हिन्दी पत्रकारिता, स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5 हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

5. पंचम प्रश्न–पत्र

शोध एवं प्रकाशन नैतिकता

(Research and Publication Ethics)

उद्देश्य–

शोध और प्रकाशन की संकल्पना, उद्देश्य और महत्व को समझाना। शोध आलेख, निबंध, प्रबंध और पुस्तक तैयार करने की वैज्ञानिक पद्धति सिखाना। शोध नैतिकता और मौलिकता (Originality) के मानकों को समझाना। साहित्यिक चोरी, आंकड़ों की हेराफेरी, फर्जीवाड़ा और द्वितीय प्रकाशन जैसी अनैतिक प्रवृत्तियों से बचने की क्षमता विकसित करना। संदर्भ लेखन, सिटेशन और डिजिटल उपकरणों (DOI,ORCID,Zotero, Mendeley आदि) के सही प्रयोग में दक्षता प्रदान करना। हिंदी शोध में गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना।

मॉड्यूल – 1 शोध और प्रकाशन की संकल्पना

इकाई – 1.1 शोध की परिभाषा, स्वरूप और उद्देश्य

इकाई – 1.2 हिंदी साहित्य एवं भाषा में शोध का महत्व

इकाई – 1.3 शोध प्रकाशन की आवश्यकता और लाभ

इकाई – 1.4 शोध प्रकाशन के प्रकार– शोध निबंध (Research Paper), शोध आलेख (Article), पुस्तक (Book), प्रबंध / थीसिस (Thesis/Dissertation)

मॉड्यूल – 2 शोध प्रकाशन की प्रक्रिया

इकाई – 2.1 लेख तैयार करने की पद्धति:

इकाई – 2.2 विषय चयन और शोध प्रश्न

इकाई – 2.3 सैद्धांतिक और व्यावहारिक संदर्भ

इकाई – 2.4 शीर्षक, सार (Abstract), कीवर्ड्स (Keywords)

इकाई – 2.5 लेखन की शैली और भाषा

इकाई – 2.6 प्रकाशन के माध्यम:–राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल ई–जर्नल, ई–बुक पीयर–रिव्यूड जर्नल, UGC-CARE, Scopus, Web of Science

मॉड्यूल – 3 शोध प्रकाशन में तकनीकी साधन

इकाई – 3.1 संदर्भ और उद्धरण लेखन (Citation & Referencing)

इकाई – 3.2 रेफरेंस मैनेजमेंट टूल्स (Zotero, Mendeley, End Note)

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 3.3 डिजिटल पहचान और DOI, ORCID, ISSN

इकाई – 3.4 प्लेज़रिज़्म जाँच और डिजिटल नैतिकता

मॉड्यूल – 4 शोध नैतिकता (Research Ethic)

इकाई – 4.1 शोध नैतिकता की अवधारणा और महत्व

इकाई – 4.2 शोधकर्ता की जिम्मेदारियाँ

इकाई – 4.3 मौलिकता (Originality) और ईमानदारी (Integrity)

इकाई – 4.4 अनैतिक प्रवृत्तियाँ– साहित्यिक चोरी (Plagiarism), द्वितीय प्रकाशन/ Duplicate Publication, आंकड़ों की हेराफेरी (Data Falsification), फर्जीवाड़ा और कॉपीराइट उल्लंघन

मॉड्यूल – 5 नैतिकता के मानक

इकाई – 5.1 UGC, ICSSR, ICHR के दिशा–निर्देश

इकाई – 5.2 कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights)

इकाई – 5.3 उद्धरण और संदर्भ लेखन की शुद्धता

इकाई – 5.4 हिंदी शोध में नैतिकता का अनुप्रयोग

मॉड्यूल – 6 व्यवहारिक पक्ष

इकाई – 6.1 शोध आलेख तैयार करना और प्रकाशन हेतु तैयारी

इकाई – 6.2 ऑनलाइन जर्नल में लेख जमा करने की प्रक्रिया

इकाई – 6.3 Peer Review प्रक्रिया और प्रतिक्रिया का उपयोग

इकाई – 6.4 ई : प्रकाशन और डिजिटल नैतिकता का अभ्यास

परिणाम–

शोध और प्रकाशन की संकल्पना और प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से समझना। मौलिक और नैतिक शोध लेख तैयार करने में सक्षम होना। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में लेख जमा करने और प्रकाशन प्रक्रिया को समझना। अनैतिक प्रवृत्तियों से बचाव और शोध में ईमानदारी बनाए रखना। संदर्भ लेखन और डिजिटल उपकरणों के प्रयोग में दक्षता। हिंदी शोध में गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिंदी में शोध कार्य और प्रकाशन : डॉ. रामकृष्ण शर्मा
2. शोध पद्धति और शैक्षणिक लेखन : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. Research Methodology in Hindi – Dr. K. R. Sharma
4. शोध नैतिकता और मौलिकता– डॉ. विजय प्रताप सिंह
5. Guidelines for Research Publication – UGC/ ICSSR Publications
6. Plagiarism and Research Ethics – Dr. S. P. Singh
7. Citation & Referencing Techniques – Dr.R. K. Mishra
8. Academic Writing and Publishing in Hindi – Dr. Anil Kumar
9. शोध कार्य में डिजिटल उपकरण और तकनीक – Dr.P.C. Tripathi

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

तृतीय सेमेस्टर

1. प्रथम प्रश्न–पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना

(Pashchaty Kavyashastr ke Siddhant evam Aalochana)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को पाश्चात्य चिंतकों और दार्शनिकों के काव्य–सिद्धांतों से परिचित कराना। आलोचना के विविध आयामों : दार्शनिक, सौंदर्यशास्त्रीय, समाजशास्त्रीय एवं मनोवैज्ञानिक : की समझ विकसित कराना। आधुनिक आलोचना पद्धतियों और विचारधाराओं को भारतीय संदर्भ में देखने की दृष्टि प्रदान करना।

मॉड्यूल – 1 पाश्चात्य विचारधारा का आरंभिक स्वरूप

इकाई – 1.1 प्लेटो : प्रत्यय का सिद्धांत , काव्यप्रेरणा , अनुकृति ,काव्य पर आरोप

इकाई – 1.2 अरस्तू : अनुकृति की नई व्याख्या, विरेचन ,त्रासदी का स्वरूप और अंग

इकाई – 1.3 प्लेटो और अरस्तू का तुलनात्मक अध्ययन

मॉड्यूल – 2 शास्त्रीय और रोमांटिक आलोचक

इकाई – 2.1 लॉन्जाइनस : काव्य में उदात्त की अवधारणा

इकाई – 2.2 वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा का सिद्धांत

इकाई – 2.3 कॉलरिज : कल्पना और फैन्सी

इकाई – 2.4 बेनेडेटो क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

मॉड्यूल – 3 आधुनिक पाश्चात्य आलोचना

इकाई– 3.1 टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

इकाई – 3.2 आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत , संप्रेषण सिद्धांत

मॉड्यूल – 4 नई समीक्षा

इकाई – 4.1 प्रमुख अवधारणाएँ : निकट पाठन , पाठ–केंद्रितता, विडंबना, प्रतीक, तनाव

इकाई – 4.2 आलोचना में नई समीक्षा का योगदान और सीमाएं

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

मॉड्यूल – 5 अन्य प्रवृत्तियाँ और दृष्टियाँ

इकाई – 5.1 शास्त्रीयतावाद

इकाई – 5.2 स्वच्छंदतावाद

इकाई – 5.3 यथार्थवाद

इकाई – 5.4 साहित्य का समाजशास्त्र

इकाई – 5.5 साहित्यिक शैलीविज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई – 5.6 पाश्चात्य चिंतकों की आलोचना–दृष्टि का ऐतिहासिक विकास।

इकाई – 5.7 भारतीय काव्यशास्त्र से तुलना और अंतर।

इकाई – 5.8 काव्य, भाषा, कल्पना और समाज के संदर्भ में नए विचार।

इकाई – 5.9 आधुनिक आलोचना पद्धतियों की प्रासंगिकता।

परिणाम–

भारतीय विचारकों के साथ–साथ पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी मतों से छात्रों के ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।

अनुशंसित ग्रंथ

1 लिटरेरी क्रिटिसिज्म– ए शार्ट हिस्ट्री : विम्‌डासाट विलियम्स के ऐंड क्लीन्थ बुक्स, लंदन।

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र– देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

3 नई समीक्षा के प्रतिमान– निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली

4 पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र– सिद्धांत और परिदृश्य–नगेन्द्र

5 कविता के नये प्रतिमान– नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली

6 पाश्चात्य साहित्य चिंतन– निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

7 आलोचक और आलोचना– बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली

8 आलोचना के बीज शब्द– बच्चन सिंह

9 साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका– मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

2. द्वितीय प्रश्न–पत्र

भारतीय साहित्य (Bhartiya Sahitya)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को हिन्दी के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य से परिचित कराना। भारतीय साहित्य के स्वरूप, समस्याओं और मूल्य दृष्टि को समझाना। भारतीय समाज, संस्कृति और मूल्यों को साहित्य के माध्यम से देखने की दृष्टि विकसित करना। तुलनात्मक अध्ययन की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना।

मॉड्यूल – 1 भारतीय साहित्य का स्वरूप

इकाई – 1.1 भारतीय साहित्य की परिभाषा और विशेषताएँ

इकाई – 1.2 प्रादेशिक साहित्य और राष्ट्रीय साहित्य का संबंध

इकाई – 1.3 तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा

मॉड्यूल – 2 भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई – 2.1 बहुभाषिकता और अनुवाद की समस्या

इकाई – 2.2 भारतीय साहित्य और सांस्कृतिक विविधता

इकाई – 2.3 क्षेत्रीयता और राष्ट्र की अवधारणा

मॉड्यूल – 3 भारतीय साहित्य में आज के भारत के बिंब

इकाई – 3.1 समकालीन समाज का साहित्यिक चित्रण

इकाई – 3.2 स्वतंत्रता, लोकतंत्र और सामाजिक चेतना

इकाई – 3.3 जाति, वर्ग और जेंडर प्रश्नों की अभिव्यक्ति

मॉड्यूल – 4 भारतीय समाजशास्त्र और साहित्य

इकाई – 4.1 समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से साहित्य का अध्ययन

इकाई – 4.2 साहित्य और समाज का अंतर्संबंध

इकाई – 4.3 भारतीय साहित्य में सामाजिक परिवर्तन की अभिव्यक्ति

मॉड्यूल – 5 हिन्दी साहित्य और भारतीय मूल्य

इकाई – 5.1 भारतीय संस्कृति, दर्शन और जीवन–मूल्य

इकाई – 5.2 हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय एकता की अभिव्यक्ति

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 5.3 आधुनिक हिन्दी साहित्य और भारतीय मूल्य–परंपरा

मॉड्यूल – 6 हिन्दीतर साहित्य का अध्ययन (एक का चयन)

इकाई – 6.1 दाक्षिणात्य भाषा वर्ग (मलयालम साहित्य)

कविता संग्रह : कोच्चि के दरख़्त – के. जी. शंकर पिल्लै

इकाई – 6.2 पूर्वांचल भाषा वर्ग (बंगला साहित्य) उपन्यास : अग्निगर्भ : महाश्वेता देवी

इकाई – 6.3 भारतीय नाटक– हयवदन : गिरीश कर्नाड

परिणाम–

विद्यार्थियों में हिन्दी और अन्य भाषा–भाषी के साहित्यकारों की भाषा शैली, काव्य पक्ष, भाव पक्ष का तुलनात्मक अध्ययन करने की क्षमता बढ़ेगी।

अनुशंसित ग्रंथ

1 अग्निगर्भ (बंगला) – महाश्वेता देवी, किताब क्लब, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

2 इक्कीस बंगला कहानियाँ – नेशनल बुक ट्रस्ट , इंडिया ए–5, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

3 राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर. सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट विवि. केरल

4 बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद।

5 भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा

6 भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली

7 भारतीय साहित्य – सं. डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

8 समसामयिक हिन्दी कहानियाँ – डॉ. धनंजय वर्मा

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

3. तृतीय प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 1)

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

(Swatantayottar Hindi Sahitya)

उद्देश्य –

स्वतंत्रता के बाद रचित हिंदी साहित्य के स्वरूप और प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित कराना। उपन्यास, कहानी, कविता और आलोचना के माध्यम से समाज, राजनीति और संस्कृति की झलक समझाना। प्रमुख स्वतंत्र्योत्तर साहित्यकारों और उनकी रचनाओं का अध्ययन कराना।

मॉड्यूल – 1 उपन्यास और कहानी

इकाई – 1.1 रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई – 1.2 भारतीय समाज का व्यंग्य और राजनीतिक टिप्पणी

इकाई – 1.3 एक दुनिया समानांतर : सं. राजेन्द्र यादव

इकाई – 1.4 खोई हुई दिशाएँ, एक और जिंदगी, तीसरी कसम, बदबू, सेलर

मॉड्यूल – 2 कहानी

इकाई – 2.1 कबिरा खड़ा बाजार में : भीष्म साहनी

इकाई – 2.2 सामाजिक यथार्थ, मानवीय संवेदना, ग्रामीण जीवन का चित्रण

मॉड्यूल – 3 प्रतिनिधि कविताएँ (नागार्जुन)

इकाई – 3.1 डॉ. नामवर सिंह – प्रतिबद्ध हूँ, हरिजन गाथा, पैने दाँतों वाली, अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद

इकाई – 3.2 सामाजिक चेतना और दलित अनुभव का प्रतिनिधित्व

मॉड्यूल – 4 प्रतिनिधि कविताएँ (रघुवीर सहाय)

इकाई – 4.1 चुनी हुई कविताएँ – दो अर्थ का भय, आज का पाठ है, हंसो हंसो जल्दी हंसो, चेहरा

मॉड्यूल – 5 प्रतिनिधि कविताएँ (केदारनाथ सिंह) सं. परमानन्द श्रीवास्तव

इकाई – 5.1 प्रतिनिधि कविताएँ–रोटी, जमीन, पानी में घिरे हुए लोग, बनारस, टूटा हुआ ट्रक

इकाई – 5.2 स्वतंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संदर्भ।

इकाई – 5.3 कविता और गद्य में यथार्थवाद, व्यंग्य, प्रतिबद्धता और दलित चेतना।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 5.4 स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में भाषा, शैली और अभिव्यक्ति की नवीन प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 5.5 प्रमुख लेखक, संपादक और संकलक की भूमिका।

परिणाम–

स्वातंत्रयोत्तर साहित्य के माध्यम से समकालीन परिवेश के यथार्थ स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1. रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल (राजकमल प्रकाशन)
2. एक दुनिया समानांतर : संपा. राजेंद्र यादव
3. कबिरा खड़ा बाजार में : भीष्म साहनी
4. नागार्जुन : प्रतिबद्ध हूँ (संपा. नामवर सिंह)
5. नागार्जुन रचनावली : संपा. विजय कुमार
6. चुनी हुई कविताएँ : रघुवीर सहाय
7. प्रतिनिधि कविताएँ : केदारनाथ सिंह (सं. परमानंद श्रीवास्तव)
8. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नंददुलारे वाजपेयी
9. हिंदी आलोचना के आयाम : रमेशचंद्र शाह
10. आधुनिक हिंदी कविता : डॉ. नामवर सिंह
11. हिंदी कहानी का विकास : डॉ. रामदरश मिश्र
12. नई कहानी का समाजशास्त्र : राजेंद्र यादव
13. हिंदी उपन्यास और समाज : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
14. समकालीन हिंदी कविता : डॉ. दूधनाथ सिंह
15. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य : स्वरूप और संदर्भ : डॉ. रामविलास शर्मा

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

तृतीय प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 2)

प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी
(Prayojanmulak Chhattisgarhi)

उद्‌देश्य–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ी भाषा के व्यावहारिक, साहित्यिक और संप्रेषणात्मक स्वरूप की समझ विकसित करना तथा छात्रों को छत्तीसगढ़ी में प्रभावी लेखन, अनुवाद और संचार कौशल में निपुण बनाना है।

माड्यूल – 1 भाषा और संचार

इकाई – 1.1 छत्तीसगढ़ी भाषा का स्वरूप, लिपि और उच्चारण

इकाई – 1.2 भाषा की विशेषताएँ एवं व्याकरण की मूल बातें

इकाई – 1.3 बोलचाल और लिखित छत्तीसगढ़ी में अंतर

माड्यूल – 2 प्रयोजनमूलक लेखन

इकाई – 2.1 पत्र लेखन (औपचारिक, अनौपचारिक, आवेदन, निमंत्रण पत्र)

इकाई – 2.2 रिपोर्ट लेखन (समाचार, सांस्कृतिक / शैक्षिक कार्यक्रम, दुर्घटना आदि)

इकाई – 2.3 विज्ञापन एवं सूचना लेखन

इकाई – 2.4 लेख, निबंध एवं अनुच्छेद लेखन

माड्यूल – 3 अनुवाद और रूपांतरण

इकाई – 3.1 हिंदी से छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़ी से हिंदी अनुवाद

इकाई – 3.2 संवाद लेखन एवं रूपांतर

इकाई – 3.3 कहावत, मुहावरे, लोकोक्ति का प्रयोग

माड्यूल – 4 साहित्यिक परिचय

इकाई – 4.1 छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य : गीत, गाथा, कहानी, नाटक, कहावतें

इकाई – 4.2 प्रमुख छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय

इकाई – 4.3 लोककथाओं और लोकगीतों की सामाजिक उपयोगिता

माड्यूल – 5 व्यवहारिक छत्तीसगढ़ी

इकाई – 5.1 कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी : प्रार्थना–पत्र, नोटिस, परिपत्र, आदेश, सूचना

इकाई – 5.2 मीडिया और पत्रकारिता में छत्तीसगढ़ी

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 5.3 रेडियो, टी.वी. एवं रंगमंच में प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी

परिणाम –

इस पाठ्यक्रम से छात्रों को छत्तीसगढ़ी भाषा के व्यावहारिक उपयोग, लेखन कौशल और संचार क्षमता में दक्षता प्राप्त होती है। यह उन्हें अनुवाद, रिपोर्ट, मीडिया, कार्यालयीन कार्य तथा लोकसाहित्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ी के प्रयोगात्मक पक्ष को समझने में सक्षम बनाता है।

अनुशंसित ग्रंथ

1. छत्तीसगढ़ी व्याकरण और शब्दावली: डॉ. अम्बिका शंकर मिश्रा
2. छत्तीसगढ़ी भाषा परिचय : डॉ. देवेंद्र शर्मा
3. छत्तीसगढ़ी पत्र एवं लेखन कला : डॉ. राधेश्याम यादव
4. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी लेखन : प्रकाशन : छत्तीसगढ़ राजभाषा परिषद
5. छत्तीसगढ़ी अनुवाद कला : डॉ. हरिदत्त वैष्णव
6. लोककथाओं का अनुवाद एवं रूपांतरण : छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी
7. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य :डॉ. मुरारीलाल वर्मा
8. छत्तीसगढ़ी साहित्य और संस्कृति : छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी
9. मीडिया एवं पत्रकारिता में छत्तीसगढ़ी : डॉ. सुनील चौबे
10. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी: रेडियो और रंगमंच : छत्तीसगढ़ राजभाषा परिषद

MATS UNIVERSITY RAIPUR

4. चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 1)

सोशल मीडिया (Social Media)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को आधुनिक मीडिया की प्रवृत्तियों से परिचित कराना। सोशल मीडिया, इंटरनेट और न्यू मीडिया की संरचना, महत्व और प्रभाव समझाना। हिंदी भाषा, जनसंचार और लोकतंत्र पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण कराना। सोशल मीडिया कानून और डिजिटल नैतिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

मॉड्यूल – 1 सोशल मीडिया का परिचय

इकाई – 1.1 सोशल मीडिया : अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ

इकाई – 1.2 सोशल मीडिया का महत्व और दैनिक जीवन में प्रभाव

इकाई – 1.3 प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म : फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप

मॉड्यूल – 2 इंटरनेट का इतिहास और विकास

इकाई – 2.1 इंटरनेट का उद्भव और विकास यात्रा

इकाई – 2.2 वर्तमान स्वरूप : वेब 2.0, वेब 3.0, क्लाउड, मोबाइल इंटरनेट

इकाई – 2.3 डिजिटल मीडिया का वैश्विक और भारतीय परिदृश्य

मॉड्यूल – 3 न्यू मीडिया

इकाई – 3.1 न्यू मीडिया : अर्थ और स्वरूप

इकाई – 3.2 पारंपरिक मीडिया और न्यू मीडिया में अंतर

इकाई– 3.3 न्यू मीडिया और समाज– सामाजिक बदलाव, सहभागिता, सूचना का लोकतंत्रीकरण

मॉड्यूल – 4 सोशल मीडिया और हिंदी भाषा

इकाई – 4.1 सोशल मीडिया पर हिंदी का प्रयोग और भाषा का विकास

इकाई – 4.2 सोशल मीडिया कानून : IT Act, डेटा सुरक्षा, डिजिटल अधिकार

इकाई – 4.3 डिजिटल नैतिकता और ऑनलाइन व्यवहार

मॉड्यूल – 5 जनसंपर्क, लोकतंत्र और सोशल मीडिया

इकाई – 5.1 सोशल मीडिया और जनसंपर्क रणनीतियाँ

इकाई – 5.2 सोशल मीडिया और लोकतंत्र : जनभागीदारी, अभियान और जागरूकता

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 5.3 सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव : फेक न्यूज़, डिजिटल पोषण, सामाजिक बदलाव

इकाई – 5.4 सोशल मीडिया की संरचना, उपयोग और सामाजिक प्रभाव

इकाई – 5.5 न्यू मीडिया और इंटरनेट के आधुनिक स्वरूप

इकाई – 5.6 हिंदी भाषा और मीडिया कानून में सोशल मीडिया की भूमिका

इकाई – 5.7 लोकतंत्र, जनसंपर्क और डिजिटल नैतिकता पर सोशल मीडिया का प्रभाव

परिणाम–

विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, न्यू मीडिया, ई–मीडिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी और मीडिया के आधुनिक माध्यमों में कैरियर बना सकेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1 सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3 भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली

4 हिन्दी पत्रकारिता, स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5 हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

MATS UNIVERSITY RAIPUR

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 2)

संपादन कला (Sampadan Kala)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को मीडिया के मुद्रित माध्यमों में संपादन के सिद्धांत, कार्य और प्रक्रिया से परिचित कराना। समाचार पत्र और पत्रिकाओं के संपादन विभाग, पृष्ठ संरचना और संपादकीय लेखन की कला सिखाना। पाठकों के दृष्टिकोण, भाषा और प्रस्तुति के माध्यम से पत्रिका/संपादकीय पृष्ठ का महत्व समझाना। कार्यालय भ्रमण और परियोजना के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

मॉड्यूल – 1 संपादक और कार्य

इकाई – 1.1 संपादक : परिभाषा, आशय और कार्य

इकाई – 1.2 आचार संहिता (Ethics and Code of Conduct)

इकाई – 1.3 संपादन में जिम्मेदारी और सामाजिक भूमिका

मॉड्यूल – 2 संपादकीय विभाग

इकाई – 2.1 संपादकीय विभाग की संरचना और कार्य

इकाई – 2.2 संपादक, सह–संपादक, रिपोर्टर और सहायक संपादक की भूमिकाएँ

इकाई – 2.3 समाचार संग्रह और समीक्षा की प्रक्रिया

मॉड्यूल – 3 संपादकीय पृष्ठ और लेखन

इकाई – 3.1 संपादकीय पृष्ठ का महत्व और उद्देश्य

इकाई – 3.2 संपादकीय लेखन : प्रकार और शैली

इकाई – 3.3 अग्रलेख (Leading Article) की प्रस्तुति और तकनीक

मॉड्यूल – 4 पृष्ठ सज्जा (Page Design)

इकाई – 4.1 पृष्ठ सज्जा का उद्देश्य और महत्व

इकाई – 4.2 पृष्ठ संरचना और प्रकार : फ्रंट पेज, फीचर पृष्ठ, विशेष पृष्ठ

इकाई – 4.3 शीर्षक, उपशीर्षक, चित्र और ग्राफिक्स का संयोजन

मॉड्यूल – 5 व्यावहारिक अनुभव

इकाई – 5.1 समाचार पत्र कार्यालयों का भ्रमण

इकाई – 5.2 परियोजना कार्य : संपादकीय पृष्ठ का निर्माण, अग्रलेख लेखन, पृष्ठ सज्जा का

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

अभ्यास व्यावहारिक संपादन तकनीकों का अभ्यास

इकाई – 5.3 संपादक का सामाजिक और पेशेवर कर्तव्य

इकाई – 5.4 समाचार पत्रिकाओं में विभागीय संगठन और कार्य विभाजन

इकाई – 5.5 संपादकीय लेखन और पृष्ठ सज्जा की कला

इकाई – 5.6 व्यावहारिक संपादन अनुभव और परियोजना आधारित शिक्षा

परिणाम –

विद्यार्थियों को समाचार पत्र–पत्रिकाओं में संपादन कला का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा जिससे वे इस क्षेत्र में सेवा के अवर प्राप्त कर सकेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1. समाचार पत्रों का संपादन : प्रभाकर राघवेन्द्र
2. पत्रकारिता के सिद्धांत : रामरखे प्रसाद सिंह
3. संपादन कला : डॉ. श्यामलाल
4. पत्रकारिता का इतिहास और विकास : नन्दकिशोर त्रिखा
5. आधुनिक पत्रकारिता : सिद्धांत और व्यवहार : कैलाश जोशी
6. समकालीन पत्रकारिता : हेमंत जोशी
7. पत्रकारिता के विविध आयाम :के.सी. शर्मा
8. मीडिया लेखन और संपादन : डॉ. के.सी. शर्मा
9. पत्रकारिता संदर्भ ग्रंथ : डॉ. रमेश चंद्र
10. भारतीय पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास : माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

5. पंचम प्रश्न पत्र

लघु शोध प्रबंध लेखन

(Laghu Shodh Prabandh Lekhan)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को लघु शोध प्रबंध की संकल्पना और महत्व से अवगत कराना। शोध विषय का चयन, शोध प्रश्न और कार्य क्षेत्र तय करने की क्षमता विकसित करना। शोध प्रबंध की संरचना, लेखन शैली और भाषा का प्रशिक्षण देना। स्रोत–सूची, संदर्भ और उद्धरण लेखन में दक्षता प्रदान करना। शोध नैतिकता और मौलिकता (Originality) का पालन सुनिश्चित करना। विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव देकर एक सम्पूर्ण लघु शोध प्रबंध तैयार करने में सक्षम बनाना।

मॉड्यूल – 1 लघु शोध प्रबंध की संकल्पना

इकाई – 1.1 शोध प्रबंध की परिभाषा और महत्व

इकाई – 1.2 लघु शोध प्रबंध और विस्तृत शोध प्रबंध में अंतर

इकाई – 1.3 लघु शोध प्रबंध का उद्देश्य और लाभ

मॉड्यूल – 2 शोध विषय चयन और शोध प्रश्न

इकाई – 2.1 विषय चयन के मानक और प्राथमिकता

इकाई – 2.2 शोध प्रश्न (Research Questions) का निर्माण

इकाई – 2.3 शोध की सीमाएँ और संभावनाएँ

मॉड्यूल – 3 शोध प्रबंध की संरचना

इकाई – 3.1 प्रस्तावना / भूमिका

इकाई – 3.2 साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

इकाई – 3.3 शोध पद्धति (Research Methodology)

इकाई – 3.4 सामग्री और विश्लेषण

इकाई – 3.5 निष्कर्ष और सुझाव (Conclusion - Suggestions)

इकाई – 3.6 संदर्भ सूची (References / Bibliography)

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

मॉड्यूल – 4 शोध लेखन और शैली

इकाई – 4.1 भाषा की शुद्धता और शैली

इकाई – 4.2 शोध में तर्क और उदाहरणों का प्रयोग

इकाई – 4.3 उद्धरण और संदर्भ लेखन (Citation - Referencing)

मॉड्यूल – 5 शोध नैतिकता

इकाई – 5.1 मौलिकता (Originality) और ईमानदारी (Integrity)

इकाई – 5.2 साहित्यिक चोरी (Plagiarism) और अनैतिक प्रवृत्तियाँ

इकाई – 5.3 शोध नैतिकता के दिशा–निर्देश (UGC, ICSSR)

मॉड्यूल – 6 व्यवहारिक पक्ष

इकाई – 6.1 लघु शोध प्रबंध का चयन और प्रारूप तैयार करना

इकाई – 6.2 ऑनलाइन और ऑफलाइन स्रोतों का अध्ययन

इकाई – 6.3 प्रबंध तैयार करना और प्रस्तुत करना

परिणाम–

विद्यार्थी लघु शोध प्रबंध की संकल्पना, उद्देश्य और महत्व को स्पष्ट रूप से समझेंगे। शोध विषय चयन, शोध प्रश्न निर्माण और कार्यक्षेत्र निर्धारित करने में सक्षम होंगे। शोध प्रबंध की संरचना और लेखन शैली का पालन करते हुए लेख तैयार कर सकेंगे। संदर्भ लेखन, उद्धरण और डिजिटल उपकरणों के प्रयोग में दक्षता प्राप्त करेंगे। शोध नैतिकता का पालन करते हुए मौलिक और गुणवत्तापूर्ण शोध प्रबंध प्रस्तुत कर सकेंगे। हिंदी साहित्य और भाषा में व्यावहारिक शोध कौशल विकसित होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिंदी शोध कार्य और प्रबंध लेखन : डॉ. रामकृष्ण शर्मा
2. शोध पद्धति और शैक्षणिक लेखन : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. Research Methodology in Hindi – Dr. K. R. Sharma
4. शोध नैतिकता और मौलिकता दृ डॉ. विजय प्रताप सिंह
5. Guidelines for Research Publication – UGC / ICSSR Publications
6. Academic Writing and Publishing in Hindi – Dr. Anil Kumar
7. शोध कार्य में डिजिटल उपकरण और तकनीक – Dr. P. C. Tripathi

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

चतुर्थ सेमेस्टर

1. **प्रथम प्रश्न–पत्र**

उपन्यास एंव कहानी (Upanyas evam Kahani)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को उपन्यास और कहानी के विभिन्न स्वरूपों से परिचित कराना। कथा साहित्य में सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विमर्श की समझ विकसित करना। समकालीन और आधुनिक लेखक–लेखिकाओं के दृष्टिकोण, विषय और शैली का विश्लेषण कराना।

पाठ्यांश (Modules)

मॉड्यूल – 1 मन्नू भंडारी

इकाई– 1.1 उपन्यासः महाभोज– विषयवस्तु, लेखन शैली और कथ्य का विश्लेषण

मॉड्यूल – 2 अलका सारावगी

इकाई– 2.1 उपन्यासः कलिकथा–वाया वाई पास– विषयवस्तु, लेखन शैली और कथा संरचना

मॉड्यूल – 3 ममता कालिया

इकाई– 3.1 उपन्यासः जांच अभी जारी है–विषयवस्तु : कथानक और चरित्र चित्रण

मॉड्यूल – 4 कहानी संग्रह

इकाई – 4.1 कहानीकार एवं चयनित कहानियाँ : **निर्मल वर्मा** : परिंदे, **अमरकांत** : जिंदगी और जोंक

इकाई – 4.2 **भीष्म साहनी** : चाचा मंगल संन, **हरिशंकर परसाई** : भोलाराम का जीव

इकाई – 4.3 **काशीनाथ सिंह** : अपना रास्ता लो बाबा, **कृष्णा सोबती** : भोले बादशाह

मॉड्यूल – 5 कहानी और उपन्यास में सामाजिक यथार्थ का चित्रण

इकाई – 5.1 चरित्र, कथ्य और शैली में अंतर

इकाई – 5.2 आधुनिक हिंदी कथा साहित्य में प्रयोग और नवाचार

इकाई – 5.3 उपन्यास और कहानी के स्वरूप, विषय और उद्देश्य

इकाई – 5.4 समकालीन लेखकों की सामाजिक, राजनीतिक और दार्शनिक दृष्टि

इकाई – 5.5 आधुनिक कथा साहित्य में भाषा और शैली का महत्व

परिणाम– विद्यार्थी उपन्यास एवं कहानी के उदभव एवं विकास की जानकारी से अवगत होंगे ।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

अनुशंसित ग्रंथ

1. मन्नू भंडारी – महाभोज
2. ममता कालिया जांच अभी जारी है ।
3. अलका सारावगी – उपन्यासः कलिकथा–वाया वाई पास
4. निर्मल वर्मा – परिंदे।
5. अमरकांत – जिंदगी और जोंक।
6. भीष्म साहनी – चाचा मंगल संन
7. हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
8. काशीनाथ सिंह – अपना रास्ता लो बाबा
9. कृष्णा सोबती – भोले बादशाह

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

2. द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी समीक्षा (Hindi Samiksha)

उद्देश्य (Objectives)

विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य में आलोचना सिद्धांत और प्रमुख आलोचकों से परिचित कराना। आलोचनात्मक दृष्टिकोण और विश्लेषण की क्षमता विकसित करना। विभिन्न कालखंडों के साहित्य चिंतन और आलोचना के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन कराना।

मॉड्यूल – 1 आरंभिक आलोचक और साहित्य चिंतन

इकाई – 1.1 रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि और अन्य साहित्यिक विचार

इकाई – 1.2 हजारी प्रसाद द्विवेदी : ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से साहित्य

इकाई – 1.3 साहित्य चिंतन का तुलनात्मक आकलन

मॉड्यूल – 2 आधुनिक आलोचक

इकाई – 2.1 नंददुलारे वाजपेयी : समाज और साहित्य

इकाई – 2.2 रामविलास शर्मा : साहित्य का सामाजिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण

इकाई – 2.3 आलोचना और समाज संबंधी दृष्टि का विश्लेषण

मॉड्यूल – 3 समकालीन आलोचना

इकाई – 3.1 डॉ. नागेन्द्र : साहित्यिक मूल्य और आलोचना

इकाई – 3.2 नामवर सिंह : आलोचना–कर्म का विश्लेषण

इकाई – 3.3 साहित्य और आलोचना में दृष्टिकोण और विधि

मॉड्यूल – 4 साहित्य चिंतन (कवि और कथाकार)

इकाई – 4.1 प्रेमचंद : सामाजिक यथार्थ और कथा साहित्य

इकाई – 4.2 प्रसाद : भाव, शैली और सामाजिक दृष्टि

इकाई – 4.3 निराला : काव्य चिंतन और व्यक्तिगत दृष्टिकोण

इकाई – 4.4 साहित्यिक दृष्टि से आलोचना का तुलनात्मक अध्ययन

मॉड्यूल – 5 आधुनिक विचारक

इकाई – 5.1 अज्ञेय : स्वतंत्र विचार, प्रयोग और काव्य चिंतन

इकाई – 5.2 मुक्तिबोध : यथार्थवाद, सामाजिक चेतना और काव्य विश्लेषण

इकाई – 5.3 आलोचनात्मक दृष्टि और साहित्य चिंतन का तुलनात्मक अध्ययन

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 5.4 हिंदी साहित्य में आलोचना के विभिन्न दृष्टिकोण

इकाई – 5.5 प्रमुख आलोचकों का साहित्यिक योगदान और दृष्टिकोण

इकाई – 5.6 आलोचना सिद्धांत और विधियों का व्यावहारिक अध्ययन

इकाई – 5..7 तुलनात्मक दृष्टि से आलोचना का मूल्यांकन

परिणाम–

विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य की गद्य एवं पद्य रचनाओं की सम्यक विवेचना की क्षमता का विकास होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1. रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का इतिहास
3. नंददुलारे वाजपेयी, साहित्य और समाज
4. रामविलास शर्मा, आधुनिक हिंदी साहित्य का समाजशास्त्र
5. डॉ. नागेन्द्र, आलोचना और मूल्य
6. नामवर सिंह, काव्यिक मूल्य और आलोचना
7. प्रेमचंद, निर्मला, गोदान
8. जयशंकर प्रसाद, आलोचना एवं सिद्धांत
9. निराला, साहित्य चिंतन
10. अज्ञेय, साहित्यिक दृष्टि और आलोचना
11. मुक्तिबोध, काव्य और समाज

MATS UNIVERSITY ★ R...

3. तृतीय प्रश्न–पत्र

भारतीय लोक साहित्य (Bhartiya Lok Saḥitya)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रदेशों के लोक साहित्य की जानकारी प्रदान करना। भारतीय लोक संस्कृति और साहित्य के पारस्परिक संबंध को समझाना। लोक साहित्य के विविध रूपों (गीत, नाट्य, कथा, गाथा) के अध्ययन और संरक्षण के प्रति जागरूक करना।

मॉड्यूल – 1 लोक साहित्य

इकाई – 1.1 लोक साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप

इकाई – 1.2 लोक साहित्य की अवधारणा

इकाई – 1.3 लोक संस्कृति और साहित्य

मॉड्यूल – 2 लोक गीत

इकाई – 2.1 संस्कार गीत

इकाई – 2.2 व्रत गीत

इकाई – 2.3 श्रम परिहार गीत

इकाई – 2.4 ऋतु गीत

मॉड्यूल – 3 लोक नाट्य

इकाई – 3.1 रामलीला

इकाई – 3.2 स्वांग

इकाई – 3.3 यक्षगान

इकाई – 3.4 भवई

इकाई – 3.5 तमाशा

इकाई – 3.6 नौटंकी

इकाई – 3.7 जात्रा

इकाई – 3.8 कथकली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

मॉड्यूल – 4 लोक कथा

इकाई – 4.1 व्रत कथा

इकाई – 4.2 परी कथा

इकाई – 4.3 बोध कथा

इकाई – 4.4 कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय

मॉड्यूल – 5 लोक गाथा

इकाई – 5.1 लोक गाथा की भारतीय परंपरा

इकाई – 5.2 लोक गाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ

इकाई – 5.3 लोक गाथा प्रस्तुति

परिणाम–

विद्यार्थियों को लोक साहित्य के विभिन्न स्वरूपों (गीत, नाट्य, कथा, गाथा) की गहन जानकारी होगी। भारतीय समाज और संस्कृति की जड़ों से जुड़ा अध्ययन कर सकेंगे। लोक साहित्य के संरक्षण और अनुशीलन (Research - Preservation) की दिशा में प्रेरित होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1. लोक साहित्य विज्ञान : सत्येन्द्र, शिवलाल एंड कंपनी, आगरा
2. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. लोक साहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास (सोलहवाँ भाग) : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. ग्राम–गीत : रामनरेश त्रिपाठी, हिन्दी मंदिर, प्रयाग

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

4. चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 1)

मीडिया की आधुनिक प्रवृत्ति

(Media ki adhunik Pravitti)

उद्देश्य

विद्यार्थियों को मीडिया की आधुनिक प्रवृत्तियों से परिचित कराना। न्यू मीडिया, पीत पत्रकारिता, स्टिंग ऑपरेशन एवं खोजी पत्रकारिता जैसे विषयों की समझ विकसित करना। हिन्दी पत्रकारिता की भाषा में हो रहे परिवर्तनों (विशेषकर हिंग्लिश) का अध्ययन कराना। सूचना के अधिकार जैसे लोकतांत्रिक अधिकार और उसके पत्रकारिता से संबंध को समझाना।

मॉड्यूल – 1 मीडिया की आधुनिक प्रवृत्तियाँ

इकाई – 1.1 आधुनिक मीडिया का आशय

इकाई – 1.2 न्यू मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स

मॉड्यूल – 2 पीत पत्रकारिता

इकाई – 2.1 परिभाषा, विशेषताएँ और उदाहरण

इकाई – 2.2 स्टिंग ऑपरेशन : अवधारणा और आलोचनाएँ

मॉड्यूल – 3 खोजी पत्रकारिता

इकाई – 3.1 खोजी पत्रकारिता का इतिहास और विकास

इकाई – 3.2 समकालीन खोजी पत्रकारिता की चुनौतियाँ

मॉड्यूल – 4 भाषा का स्वरूप

इकाई – 4.1 हिन्दी पत्रकारिता की भाषा का वर्तमान स्वरूप

इकाई – 4.2 हिंग्लिश और उसका प्रभाव

मॉड्यूल – 5 सूचना का अधिकार (RTI)

इकाई – 5.1 सूचना के अधिकार की संकल्पना और कानूनी प्रावधान

इकाई – 5.2 पत्रकारिता और सूचना के अधिकार का संबंध

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

परिणाम–

विद्यार्थी मीडिया की आधुनिक प्रवृत्तियों और चुनौतियों को समझ पाएँगे। न्यू मीडिया के क्षेत्र में कार्य और शोध के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। पत्रकारिता में भाषा और प्रस्तुति के बदलते स्वरूप (हिंग्लिश आदि) को आत्मसात करेंगे। खोजी पत्रकारिता और सूचना के अधिकार के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को समझ पाएँगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1. सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
4. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव : जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (वैकल्पिक 2)

प्रचार, विज्ञापन एवं जनसंचार, परियोजना कार्य

(Prachar, Vigyapan evam Janshanchar –Pariyojna Karya)

उद्देश्य–

विद्यार्थियों को मीडिया के क्षेत्र में प्रचार और विज्ञापन के सिद्धांतों एवं प्रकारों से परिचित कराना। विज्ञापन और जनसंचार की परस्पर उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन कराना। विज्ञापन लेखन की भाषा, शैली और विशेषताओं का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना। परियोजना कार्य एवं इंटर्नशिप के माध्यम से वास्तविक मीडिया जगत का अनुभव कराना।

पाठ्यांश (Syllabus Content)

मॉड्यूल – 1 प्रचार

इकाई – 1.1 प्रचार : अर्थ और परिभाषाएँ

इकाई – 1.2 प्रचार के प्रकार : वाणिज्यिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक प्रचार

मॉड्यूल – 2 प्रचार के सिद्धांत

इकाई – 2.1 प्रभावी प्रचार के सिद्धांत

इकाई – 2.2 प्रचार माध्यमों का चयन और उपयोग

मॉड्यूल – 3 विज्ञापन और जनसंचार

इकाई – 3.1 विज्ञापन : आशय और परिभाषाएँ

इकाई – 3.2 विज्ञापन एवं जनसंचार का संबंध

इकाई – 3.3 विज्ञापन का महत्व और प्रभाव

मॉड्यूल – 4 विज्ञापन लेखन

इकाई – 4.1 विज्ञापन लेखन की भाषा की संरचना

इकाई – 4.2 विज्ञापन की शैली और विशेषताएँ

इकाई – 4.3 दृश्य और श्रव्य माध्यमों में विज्ञापन

मॉड्यूल – 5 परियोजना कार्य और इंटर्नशिप

इकाई – 5.1 मीडिया संस्थानों में इंटर्नशिप

इकाई – 5.2 विज्ञापन अभियानों का विश्लेषण

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

इकाई – 5.3 परियोजना कार्य : संपादकीय या विज्ञापन पृष्ठ तैयार करना, विज्ञापन स्क्रिप्ट लेखन, मीडिया रिपोर्ट/प्रस्तुति तैयार करना

परिणाम–

विद्यार्थी प्रचार और विज्ञापन के विभिन्न पक्षों को समझ पाएँगे। विज्ञापन लेखन और भाषा की संरचना का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। परियोजना कार्य और इंटर्नशिप के माध्यम से वास्तविक मीडिया क्षेत्र से जुड़कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। मीडिया संस्थानों में रोजगार और सेवा के अवसरों के लिए तैयार होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ

1. सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
4. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव : जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

5. **पंचम प्रश्न–पत्र**

लघु शोध प्रबंध, प्रस्तुति / इंटर्नशिप
(Laghu Shodh Prabandh, Prastuti/ Internship)

उद्देश्य –

विद्यार्थियों को लघु शोध प्रबंध की संकल्पना, महत्व और उद्देश्य से परिचित कराना। शोध विषय का चयन, शोध प्रश्न, सीमाएँ और कार्यक्षेत्र निर्धारित करने की क्षमता विकसित करना। प्रस्तुति / इंटर्नशिप के माध्यम से शोध कार्य का व्यावहारिक अनुभव देना। शोध प्रबंध की संरचना, भाषा और शैली में दक्षता विकसित करना। स्रोत–सूची, उद्धरण और संदर्भ लेखन का प्रशिक्षण देना। शोध नैतिकता और मौलिकता (Originality) का पालन सुनिश्चित करना। विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य, भाषा, लोक साहित्य या मीडिया क्षेत्रों में इंटर्नशिप अनुभव प्रदान करना।

मॉड्यूल – 1 लघु शोध प्रबंध (Laghu Shodh Prabandh)

इकाई – 1.1 शोध प्रबंध की परिभाषा और महत्व

इकाई – 1.2 लघु शोध प्रबंध और विस्तृत शोध प्रबंध में अंतर

इकाई – 1.3 शोध विषय चयन और शोध प्रश्न निर्माण

इकाई – 1.4 शोध प्रबंध की संरचना – प्रस्तावना / भूमिका, साहित्य समीक्षा (Review of Literature) शोध पद्धति (Research Methodology), सामग्री और विश्लेषण निष्कर्ष और सुझाव (Conclusion & Suggestions), संदर्भ सूची

मॉड्यूल – 2 प्रस्तुति / इंटर्नशिप (Prastuti / Internship)

इकाई – 2.1 शोध प्रबंध का प्रस्तुतीकरण (Presentation) और मूल्यांकन

इकाई – 2.2 PowerPoint / Poster/ Oral Presentation कौशल

इकाई – 2.3 इंटर्नशिप अनुभवः शैक्षणिक संस्थानों, साहित्यिक संस्थाओं या मीडिया / सांस्कृतिक संस्थानों में शोध अनुभव, प्रायोगिक ज्ञान और कार्यानुभव प्राप्त करना, इंटर्नशिप रिपोर्ट लेखन और प्रस्तुति

मॉड्यूल – 3 शोध नैतिकता (त्मेमंतबी म्जीपबे)

इकाई – 3.1 मौलिकता (Originality) और ईमानदारी (Integrity)

इकाई – 3.2 साहित्यिक चोरी (Plagiarism) और अनैतिक प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3.3 उद्धरण और संदर्भ लेखन की शुद्धता

इकाई – 3.4 UGC/ ICSSR/ ICHR के दिशा–निर्देश

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

मॉड्यूल – 4 व्यवहारिक पक्ष

इकाई – 4.1 लघु शोध प्रबंध तैयार करना और प्रस्तुत करना

इकाई – 4.2 प्रस्तुति / इंटर्नशिप अनुभव रिपोर्ट तैयार करना

इकाई – 4.3 Peer Review प्रक्रिया और प्रतिक्रिया का उपयोग

इकाई – 4.4 डिजिटल उपकरण (Zotero, Mendeley, DOI, ORCID) का प्रयोग

परिणाम–

विद्यार्थी लघु शोध प्रबंध की संकल्पना, उद्देश्य और महत्व को स्पष्ट रूप से समझेंगे। शोध विषय चयन, शोध प्रश्न और कार्यक्षेत्र निर्धारण में सक्षम होंगे। शोध प्रबंध तैयार करने और उसका प्रस्तुतीकरण करने में दक्षता प्राप्त करेंगे। इंटर्नशिप अनुभव से व्यावहारिक ज्ञान और शोध कौशल विकसित होगा। संदर्भ लेखन, उद्धरण और डिजिटल उपकरणों के प्रयोग में दक्ष होंगे। शोध नैतिकता और मौलिकता का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य प्रस्तुत कर सकेंगे। हिंदी साहित्य, भाषा, लोक साहित्य या मीडिया क्षेत्रों में वास्तविक शोध अनुभव प्राप्त होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिंदी शोध कार्य और प्रबंध लेखन : डॉ. रामकृष्ण शर्मा
2. शोध पद्धति और शैक्षणिक लेखन : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. Research Methodology in Hindi – Dr. K. R. Sharma
4. शोध नैतिकता और मौलिकता : डॉ. विजय प्रताप सिंह
5. Guidelines for Research Publication – UGC/ ICSSR Publications
6. Academic Writing and Publishing in Hindi – Dr. Anil Kumar
7. शोध कार्य में डिजिटल उपकरण और तकनीक – Dr.P.C. Tripathi

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

पाठ्यक्रम की अवधि :

पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम अवधि चार वर्ष है।

पाठ्यक्रम का माध्यमः

पाठ्यक्रम और परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।

संकाय और सहायक कर्मचारियों की आवश्यकताः

पाठ्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार शिक्षार्थी समर्थित केंद्र में सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी।

Category	Existing
Professor	00
Associate Professor	01
Assistant Professor	01

निर्देशात्मक वितरण तंत्र और मीडिया का उपयोगः

चूँकि यह पाठ्यक्रम मैट्स मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित किया जाएगा, इसलिए शिक्षार्थियों तक सामग्री को प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए विभिन्न निर्देशात्मक वितरण तंत्रों और मीडिया का उपयोग किया जाएगा। MCDOE द्वारा प्रयुक्त पाठ्यक्रम वितरण तंत्र निर्देशों के लिए एक मल्टीमीडिया दृष्टिकोण का अनुसरण करता है, जो इस प्रकार है :

- मुद्रित स्व–शिक्षण सामग्री (SLM), जो पाठ्यक्रम के सभी मानदंडों को शामिल करती है, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए शिक्षार्थियों तक पहुँचाई जाएगी।

- लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (SLM) एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है जो छात्रों को शिक्षण सामग्री तक पहुँचने, चर्चाओं में भाग लेने, असाइनमेंट जमा करने और मूल्यांकन लेने के लिए एक केंद्रीकृत स्थान प्रदान करता है। LMS एक उपयोगकर्ता–अनुकूल इंटरफ़ेस प्रदान करता है जो डेस्कटॉप, लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफ़ोन जैसे कई उपकरणों पर उपलब्ध है।

- वेबिनार का उपयोग व्याख्यान, चर्चा या छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्रों के लिए किया जा सकता है। पूर्व–रिकॉर्ड किए गए वीडियो व्याख्यानों का उपयोग पाठ्यक्रम सामग्री को संक्षिप्त और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए किया जा सकता है। इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया में सिमुलेशन, गेम और क्विज़ शामिल हैं जो सीखने को सुदृढ़ बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

▪ समूह चर्चा, सहकर्मी समूह अध्ययन द्वारा सीखने को सरल बनाने और प्रतिक्रिया एवं सहायता प्रदान करने के लिए चर्चा मंचों का उपयोग किया जा सकता है। पाठ्यक्रम के लिए नियुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं द्वारा ऑनलाइन और आमने–सामने परामर्श प्रदान किया जाएगा।

▪ परामर्श सत्र MCDOE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार आयोजित किए जाएँगे। ये परामर्श सत्र शिक्षार्थियों के लिए गैर–कार्य समय में आयोजित किए जाते हैं ताकि वे अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने के लिए परामर्श सत्र में उचित और नियमित रूप से भाग ले सकें।

▪ विश्वविद्यालय के स्टूडियो से इंटरनेट संचार प्रौद्योगिकियों (ICT) के उपयोग के माध्यम से लाइव सत्र आयोजित किए जाएँगे, जिसका पाठ्यक्रम लीनर सपोर्ट सिस्टम पर उपलब्ध कराया जाता है।

▪ औद्योगिक प्रशिक्षण/व्यावहारिक/परियोजना घटक वाले पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी सहायता केंद्रों पर आयोजित किए जाते हैं और पाठ्यक्रम के इस भाग में लीनर की उपस्थिति अनिवार्य है। दिशा–निर्देशों के अनुसार, पाठ्यक्रम का प्रोजेक्ट कार्य शिक्षार्थियों द्वारा किया जाएगा और इस संबंध में अध्ययन सामग्री के साथ एक संपूर्ण मार्गदर्शिका शिक्षार्थियों को प्रदान की जाएगी।

▪ पाठ्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए नामांकित शिक्षार्थियों को समय–समय पर एसएलएम भेजा जाएगा। ये एसएलएम शिक्षार्थियों के लिए प्रभावी शिक्षण में अत्यंत सहायक होंगे। शिक्षार्थियों के आंतरिक मूल्यांकन हेतु असाइनमेंट भी एसएलएम के साथ शिक्षार्थियों को प्रदान किया जाएगा। कुछ कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन मॉड्यूल भी उपलब्ध हैं।

▪ संपर्क कक्षाएं और परामर्श पाठ्यक्रम वर्ष में 30 दिनों का होगा, जिसे प्रत्येक सेमेस्टर में 15 दिनों के रूप में विभाजित किया जाएगा। पाठ्यक्रम की संपर्क कक्षाओं का पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न माध्यमों से सूचित किया जाएगा।

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ :

मैट्स दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में अपने शिक्षार्थियों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए एक पूर्णतः सुसज्जित शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ उपलब्ध हैं। सभी शिक्षार्थियों को वेबसाइट, हेल्पडेस्क, ईमेल और टेलीकांफ्रेंसिंग व कॉलिंग के माध्यम से व्यक्तिगत बातचीत जैसे विभिन्न माध्यमों से सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई है।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

ओडीएल मोड के लिए पाठ्यक्रम वितरण का समर्थन करने हेतु लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) :

▪ लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) छात्रों को वैश्विक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एलएमएस में उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफ़ेस दृष्टिकोण है जिसके माध्यम से शिक्षण को आसान, रोचक और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया गया है। शिक्षण का दृश्य–श्रव्य तरीका, स्व–शिक्षण सामग्री, चर्चा मंच और मूल्यांकन पैटर्न अद्वितीय हैं और उद्योग की आवश्यकताओं और यूजीसी के चार–चतुर्थांश दृष्टिकोण के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

▪ छात्र अपनी पसंद की गति से वेब और मोबाइल के माध्यम से 24x7 निर्बाध शिक्षण का अनुभव कर सकते हैं। ई–लर्निंग मॉड्यूल के माध्यम से उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस सरल और नेविगेट करने में आसान होगा; एलएमएस एक आसान और रोचक शिक्षण अनुभव के लिए मानक मानदंडों के अनुसार डिज़ाइन किए गए सभी शिक्षण उपकरणों के साथ सहज पहुँच प्रदान करेगा।

पाठ्यक्रम डिज़ाइन :

पाठ्यक्रम सामग्री को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह निर्बाध वितरण और सीखने के अनुभव को सुगम बनाए।

संकाय द्वारा संचालित वीडियो और ऑडियो सामग्री, पाठ्यक्रम समन्वयक और उनकी टीम द्वारा वास्तविक समय के आधार पर शंकाओं को उठाने और स्पष्ट करने के लिए चर्चा मंच, स्व–शिक्षण सामग्री (एसएलएम), बहुविकल्पीय प्रश्न, लघु और दीर्घ प्रश्न।

संपर्क कक्षाओं की प्रकृति :

पाठ्यक्रम सामग्री के आधार पर, परामर्शदाताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे संपर्क कक्षा सत्रों के दौरान शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करें और उनसे बातचीत करें। संपर्क सत्रों के दौरान परामर्शदाता से बात करके, शिक्षार्थी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और इससे उन्हें पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को समझने और आसानी से सीखने में मदद मिलेगी। इन संपर्क सत्रों के अलावा, शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रासंगिक शिक्षार्थी सहायता प्रणाली द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए, जिसमें पाठ्यक्रम की संरचना के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण दृष्टिकोण भी शामिल है।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

Counseling Session & Structure of Study in ODL Mode:

Delivery in ODL Mode:

Delivery in ODL Mode:

Sl. No.	Course Code	Title of the Course	Credit	Total Hours of Study	Counseling and Study Structure (hours)			
					Face to Face Counseling	Self study	Practical	Assignments
First Semester								
1	MAHDSC101	हिन्दी साहित्य का इतिहास Hindi Sahitya ka Itihas	4	120	12	84	-	24
2	MAHDSC102	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha	4	120	12	84	-	24
3	MAHDSC103	छायावादी काव्य Chhayavadi Kavya / छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास Chhattisgarhi Sahitya ka Itihas	4	120	12	84	-	24
4	MAHDSE104	जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता. Jansanchaar evam hindi patrakarita/ समाचार संकलन लेखन एवं तकनीक samachar sankalan Lekhan evam Taknik	4	120	12	84	-	24
5	MAHRW105	शोध प्रविधि Research Methodology	4	120	12	84	-	24
Second Semester								
1	MAHDSC201	निबंध और नाटक Nibandh aur Natak	4	120	12	84	-	24
2	MAHDSC202	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य Adhunik Hindi katha Sahitya	4	120	12	84	-	24
3	MAHDSC203	छायावादोत्तर काव्य Chhayawadottar Kavya/ छत्तीसगढ़ी काव्य	4	120	12	84	-	24

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

		Chhayawadottar Kavya						
4	MAHDSE204	संचार एवं इलेक्ट्रानिक प्रौदयोगिकी Sanchar evam Electronic Proudogiki/ मीडिया में लेखन शिल्प एवं प्रस्तुति Media me Lekhan Shilp evam Prastuti	4	120	12	84	-	24
5	MAHRW205	शोध एवं प्रकाशन नैतिकता Shodh evam Prakashan Natikta	4	120	12	84	-	24

Third Semester

1	MAHDSC301	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिदधांत तथा आलोचना Pashchaty Kavyashastr ke Siddhant evam Aalochana	4	120	12	84	-	24
2	MAHDSC302	भारतीय साहित्य Bhartiya Sahitya	4	120	12	84	-	24
3	MAHDSC303	स्वातंत्रयोत्तर हिंदी साहित्य Swatantayottar Hindi Sahitya/ प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी Prayojanmulak Chhattisgarhi	4	120	12	84	-	24
4	MAHDSE304	सोशल मीडिया Social Media / संपादन कला Sampadan Kala	4	120	12	84	-	24
5	MAHRW305	लघु शोध प्रबंध लेखन Laghu Shodh Prabandh Lekhan	4	120	12	84	-	24

Fourth Semester

1	MAHDSC401	उपन्यास एवं कहानी Upanyas evam Kahani	4	120	12	84	-	24
2	MAHDSC402	हिन्दी समीक्षा Hindi Samiksha	4	120	12	84	-	24
3	MAHDSC403	भारतीय लोक साहित्य Bhartiya Lok Sahitya	4	120	12	84	-	24
4	MAHDSE404	मीडिया की आधुनिक प्रवृत्ति Media ki adhunik Pravitti/ प्रचार, विज्ञापन एवं जनसंचार-परियोजना कार्य Prachar, Vigyapan evam Janshanchar -Pariyojna	4	120	12	84	-	24

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

5	MAHRW405	लघु शोध प्रबंध, प्रस्तुति/इंटर्नशिप Laghu Shodh Prabandh, Prastuti/Internship	4	120	12	84	-	24

F. प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम संचालन और मूल्यांकन :

उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से किसी भी विषय/धारा में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट या हेल्पडेस्क नंबर पर संपर्क करके प्रवेश प्रक्रिया और अन्य सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं और उसे ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भेज सकते हैं। प्राप्त होने पर, विश्वविद्यालय दस्तावेजों की जाँच करेगा और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया शुरू करेगा। शुल्क जमा होने के बाद, प्रवेश की पुष्टि की जाएगी और शिक्षार्थी को एक नामांकन संख्या जारी की जाएगी।

- **Fee Structure:**

  The fee structure of the programme is as follows:

Programme	Semester Tuition Fees	Semester Examination Fees	Registration Fees (One Time)
MA	5000	1500	1000

- **परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली :**

मूल्यांकन सतत मूल्यांकन पर आधारित होगा, जिसमें सत्रीय कार्य और अंतिम परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देंगे। सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षाएँ, मध्य–सेमेस्टर परीक्षाएँ, गृहकार्य असाइनमेंट आदि शामिल होंगे, जैसा कि अध्ययन पाठ्यक्रमों के प्रभारी संकाय द्वारा निर्धारित किया जाएगा। छात्रों के मूल्यांकन के लिए असाइनमेंट/सेमिनार/कक्षा परीक्षा/ट्यूटोरियल आदि आयोजित किए जाते हैं, फिर भी अंतिम मूल्यांकन सत्रांत परीक्षा (वेटेज : 100:) के माध्यम से किया जाता है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम एक परीक्षा पत्र के अनुरूप होगा जिसमें बाह्य और आंतरिक मूल्यांकन शामिल होंगे। सैद्धांतिक/प्रयोगात्मक/ट्यूटोरियल, आंतरिक, बाह्य परीक्षाओं के लिए क्रेडिट संरचना और किसी परीक्षा के कुल अंक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम संरचना के अनुसार होंगे। छात्रों को आंतरिक और बाह्य परीक्षाओं में अलग–अलग न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त करने होंगे, जिन्हें शैक्षणिक परिषद द्वारा निर्धारित संबंधित पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

1. मूल्यांकन के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर के लिए निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रमों के संबंध में उम्मीदवार के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों का मूल्यांकन निम्नलिखित पर आधारित होगा :

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

1.1. अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएँ – कुल अंकों का 70% और

1.2. सतत आंतरिक मूल्यांकन – कुल अंकों का 30%

2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएँ विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाएँगी और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा की अवधि तीन या दो घंटे की होगी।

3. प्रत्येक सेमेस्टर में पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए अंकों का न्यूनतम प्रतिशत अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं और सतत मूल्यांकन सहित प्रत्येक पाठ्यक्रम में 40% होगा।

4. प्रत्येक सेमेस्टर में एक पाठ्यक्रम में क्रेडिट की एक निर्दिष्ट संख्या होगी। छात्र द्वारा संतोषजनक रूप से उत्तीर्ण किए गए ग्रेड अंकों के साथ क्रेडिट की संख्या छात्र के प्रदर्शन को मापेगी।

5. सेमेस्टर परीक्षा परिणामों में निम्नलिखित श्रेणियाँ होंगी :

5.1. उत्तीर्ण, अर्थात, वे जिन्होंने सेमेस्टर परीक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में आंतरिक और बाह्य परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण किया है।

5.2. प्रोन्नत (एटीकेटी), अर्थात, जिन्होंने किसी विशेष वर्ष में दोनों सेमेस्टर (सम और विषम) सहित न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हों या जिन्होंने विषम सेमेस्टर में किसी भी संख्या में क्रेडिट अर्जित किए हों।

5.3. रोके गए, अर्थात, जिन्हें उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार प्रोन्नत नहीं किया गया है, उन्हें रोक दिया जाएगा। ऐसे छात्रों को इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक क्रेडिट (पहले से अर्जित क्रेडिट को छोड़कर) अर्जित करने के लिए अगले शैक्षणिक सत्र की परीक्षा में उपस्थित होना होगा और उसके बाद ही वह इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अवधि के भीतर पाठ्यक्रम जारी रख सकते हैं।

6. हालाँकि, किसी भी सेमेस्टर का कोई छात्र जिसे कम उपस्थिति के कारण रोक दिया गया है/परीक्षा में उपस्थित नहीं हुआ है/परीक्षा के लिए आवेदन नहीं किया है/आवेदन किया है लेकिन उपस्थित नहीं हुआ है, उसे पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे छात्र को विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई/अधिसूचित प्रक्रिया के माध्यम से अगले सत्र में पूर्व छात्र के रूप में प्रवेश लेना होगा।

- **सतत आंतरिक मूल्यांकन** :

1. सतत आंतरिक मूल्यांकन पाठ्यक्रम के लिए आवंटित कुल अंकों के 30% अंकों का होगा।

2. प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सतत आंतरिक मूल्यांकन के घटकों का निर्णय संबंधित विषय के अध्ययन बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

3. एटीकेटी (ATKT) वाले छात्रों के मामले में सतत आंतरिक मूल्यांकन को आगे बढ़ाया जाएगा।

किसी भी परिस्थिति में एटीकेटी छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं होगा।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

- **मूक्स और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन और प्रमाणन :**

मूक्स, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, फील्ड प्रोजेक्ट्स / इंटर्नशिप / अप्रेंटिसशिप / सामुदायिक जुड़ाव और सेवा / ऑनर्स विद रिसर्च प्रोजेक्ट के मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए विश्वविद्यालय / स्वयं पोर्टल / यूजीसी के दिशा–निर्देशों का पालन किया जाएगा।

- **अक्षर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट :**

सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (SGPA) की गणना किसी दिए गए सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन के माप के रूप में ग्रेड से की जाती है। SGPA वर्तमान सत्र के ग्रेड पर आधारित होता है, जबकि संचयी GPA (CGPA) अध्ययन पाठ्यक्रम में शामिल होने के बाद लिए गए सभी पाठ्यक्रमों के ग्रेड पर आधारित होता है।

विश्वविद्यालय छात्रों के लाभ के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्राप्त अंकों तथा सभी सेमेस्टरों में प्राप्त अंकों के आधार पर भारित औसत अंकों का भी उल्लेख कर सकता है।

Grading System

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	>90 to <=100
A+	9	Excellent	>80 to <=90
A	8	Very Good	>70 to <=80
B+	7	Good	>60 to <=70
B	6	Above Average	>50 to <=60
C	5	Average	>40 to <=50
P	4	Pass	=40
F	0	Fail	<40
Ab	0	Absent	Absent

- **एसजीपीए और सीजीपीए की गणना :**

यूजीसी सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (एसजीपीए) और संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (सीजीपीए) की गणना के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया की सिफारिश करता है :

एसजीपीए, छात्र द्वारा लिए गए सभी पाठ्यक्रमों में प्राप्त क्रेडिट की संख्या और उसके द्वारा प्राप्त ग्रेड पॉइंट के गुणनफल के योग और छात्र द्वारा किए गए सभी पाठ्यक्रमों के क्रेडिट की संख्या के योग का अनुपात है, अर्थात।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

SGPA (Si) = $\sum$ (Ci x Gi) / $\sum$Ci

Where Ci is the number of credits of the ith course and Gi is the grade point scored by the learner in the ith course.

Example of Computation of SGPA

Semester	Course	Credit	Letter Grade	Grade point	(Credit x Grade)
1	Course 1	3	A	8	3 x 8 = 24
1	Course 1	4	B +	7	4 x 7 = 28
1	Course 1	3	B	6	3 x 6 = 18
1	Course 1	3	O	10	3 x 10 = 30
1	Course 1	3	C	5	3 x 5 = 15
1	Course 1	4	B	6	4 x 6 = 24
		20			139
SGPA					139/20=6.95

II. संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना भी उसी तरीके से की जाती है, जिसमें किसी पाठ्यक्रम के सभी सेमेस्टरों में छात्र द्वारा किए गए सभी पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखा जाता है, अर्थात

CGPA = $\sum$ (Ci x Si) / $\sum$ Ci

Where Si is the SGPA of the semester and Ci is the total number of credits in that semester.

Example of Computation of CGPA

Semester 1	Semester 2	Semester 3	Semester 4
Credit 20 SGPA 6.9	Credit 20 SGPA 7.8	Credit 20 SGPA 5.6	Credit 20 SGPA 6.0
CGPA= (20 x 6.9 + 20 x 7.8 + 20 x 5.6 + 20 x 6.0)/80 = 6.6			

The SGPA and CGPA shall be rounded off to 2 decimal points and reported in the transcripts.

Distribution of Divisions

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR

Division	Criterion
First division with distinction	उम्मीदवार ने डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट 7.5 या उससे अधिक CGPA के साथ अर्जित किए हैं।
First division	उम्मीदवार ने डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट 6.0 से अधिक लेकिन 7.5 से कम CGPA के साथ अर्जित किए हैं।
Second division	उम्मीदवार ने डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट 4.5 या उससे अधिक लेकिन 6.0 से कम CGPA के साथ अर्जित किए हैं।
Third Division	उम्मीदवार ने डिग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट 4.00 या उससे अधिक लेकिन 4.5 से कम CGPA के साथ अर्जित किए हैं।

नोट : अन्य शैक्षणिक मामलों में इसके अनुप्रयोग को सुगम बनाने के लिए CGPA को प्रतिशत में परिवर्तित करने की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी।

समतुल्य प्रतिशत = CGPA×10- प्रतिशत को दूसरे दशमलव बिंदु तक पूर्णांकित किया जाएगा। उम्मीदवार को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट सफलतापूर्वक अर्जित करने पर प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्रदान की जाएगी।

- **प्रतिलेख जारी करना :**

लेटर ग्रेड, ग्रेड पॉइंट और SGPA तथा CGPA संबंधी सिफारिशों के आधार पर, विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के लिए प्रतिलेख और सभी सेमेस्टर में प्रदर्शन को दर्शाने वाला एक समेकित प्रतिलेख जारी करेगा।

- **क्रेडिट स्थानांतरण :**

1. क्रेडिट स्थानांतरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय–समय पर जारी दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार लागू किया जाएगा।

2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा में अकादमिक क्रेडिट बैंक की स्थापना एवं संचालन) विनियम, 2021 के तहत स्थापित अकादमिक क्रेडिट बैंक के सदस्य संस्थान, समय–समय पर संशोधित इस विनियम के प्रावधानों के अनुसार क्रेडिट स्वीकार और हस्तांतरित करेंगे।

3. अनंतिम पदोन्नति के मामलों को छोड़कर, विश्वविद्यालय छात्रों के बीच क्रेडिट हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगा, हालाँकि, छात्र को उस विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के लिए कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करना आवश्यक हो सकता है जिसमें छात्र प्रवेश लेना चाहता है।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★

G. प्रयोगशाला सहायता और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता :

ऐसी कोई प्रयोगशाला/प्रैक्टिकल की आवश्यकता नहीं है जो विशेष रूप से ज्ञान, पठन सामग्री और परियोजना कार्य तक पहुँचने के लिए उपयोगी हो।

H. पाठ्यक्रम का लागत अनुमान और प्रावधान :

यह पाठ्यक्रम पहले से ही पारंपरिक तरीके से डिज़ाइन और विकसित किया गया था। वर्तमान परिदृश्य के अनुसार समग्र विकास की इस प्रक्रिया में, इस पाठ्यक्रम के लिए सभी मेट्रिक्स, घटकों, उपकरणों और रखरखाव लागत का अनुमानित लागत 2291000 रुपये है और इसके लिए 2300000 रुपये का प्रावधान किया गया है।

I. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित पाठ्यक्रम परिणाम :

मैट्स विश्वविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और हिन्दी विभाग, पाठ्यक्रम और सिलेबस को निरंतर अद्यतन करके मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिन्दी) हिन्दी पाठ्यक्रम की नियमित निगरानी के लिए उत्तरदायी हैं। शिक्षार्थियों से निरंतर प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर, उपयुक्त कार्य योजनाएँ विकसित की जाती हैं और उन्हें शिक्षण प्रणाली में शामिल किया जाता है। हिन्दी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, शिक्षार्थी निम्नलिखित प्रदर्शित करेगा :

- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा के स्वरूप एवं प्रकृति का परिचय प्राप्त होगा।
- हिन्दी साहित्य के कालक्रम और साहित्यिक प्रवृत्तियों, साहित्य व समाज का सहसंबंध तथा साहित्य के विशेषताओं से परिचित होंगे।
- साहित्यिक अवधारणाओं और आंदोलनों तथा सामाजिक व राजनतिक परिस्थितियों का साहित्य पर प्रभाव से परिचित होंगे।
- साहित्यिक समीक्षा व आलोचना के तथ्यों से अवगत होंगे।
- हिन्दी साहित्य के साथ–साथ हिन्दी पत्रकारिता एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य के विभिन्न आयामों से परिचित होंगें।

  समय–समय पर आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुसार पाठ्यक्रम में परिवर्तन। विश्वविद्यालय प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के माध्यम से उत्तीर्ण छात्रों को विभिन्न उद्योगों में उनके प्लेसमेंट में मदद करेगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम :

▪ मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में एमए हिन्दी पाठ्यक्रम साहित्य, हिन्दी भाषा की संरचना हिन्दी साहित्य के विभिन्न आयाम एवं विभिन्न विधाओं और साहित्य और समाज के सहसंबंध को समझने और उसके विश्लेषण करने में समक्ष बनाता है।

▪ प्राचीन एवं समकालीन साहित्य के साहित्यिक सिद्धांतो भारतीय एवं पाश्चात्य आलोचनात्मक दृष्टिकोण के गहन अध्ययन के माध्यम से आलोचना के सिद्धांतो से परिचित कराता है।

▪ शैक्षणिक लेखन, शोध पद्धतियों और पाठ विश्लेषण के उन्नत कौशलो को विकसित करता है।

▪ साहित्य के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों, काव्यधाराओं और विधाओं के साहित्य से परिचित कराता है।

MATS UNIVERSITY ★ RAIPUR ★